मंगलवार
25 अप्रैल 2023

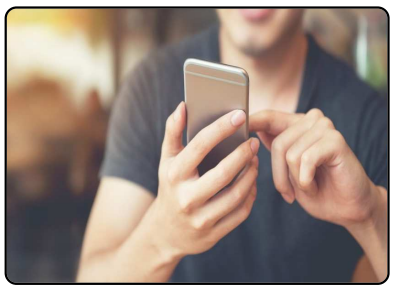

पृष्ठ 4

क्या आपको भी लग गई है स्मार्टफोन की लत ?

पृष्ठ 5

किक-बॉक्सिंग ने मुझे हंटर में एक्शन सीक्वेंस करने में की मदद : ईशा देओल

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 85
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जिस मनुष्य में आत्मविश्वास नहीं है वह शक्तिमान हो कर भी कायर है और पंडित होकर भी मूर्ख है।

– राम प्रताप त्रिपाठी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आर.एन.आई.- 59626/94

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग भगवान केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले गये

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग भगवान केदारनाथ धाम के कपाट विधि विधान के साथ श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिये गये जिसमें पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से की गयी।

आज यहां ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग भगवान केदारनाथ धाम के कपाट विधि विधान के साथ मंगलवार को सुबह 6 बजकर 20 मिनट पर श्रद्धालुओं के दर्शनों के लिए खोल दिये गये हैं। श्री केदारनाथ में पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से की गई। रावल भीमाशंकर लिंग तथा पुजारी शिवलिंग एवं धर्माचार्यों द्वारा पूजा अर्चना की गई। कपाट खुलते समय

●श्रद्धालुओं पर की गई पुष्प वर्षा, मुख्यमंत्री ने देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की बाबा केदार से की प्रार्थना

सेना के बैंड तथा भजन कीर्तन एवं जय श्री केदार के उदघोष से केदारनाथ धाम गुंजायमान रहा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गयी।

श्री केदारनाथ धाम के कपाट खुलने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने श्री केदारनाथ में पूजा-अर्चना कर देश एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। सभी देश एवं प्रदेशवासियों के सुखमय जीवन की उन्होंने बाबा केदार से प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने बाबा केदार के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं का स्वागत भी किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मुख्य सेवक द्वारा आयोजित भंडारा कार्यक्रम में प्रतिभाग किया।

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

सरकार के आदेशों को पलीता लगाते शराब कारोबारी

शराब के ठेकों पर ओवर रेटिंग का चल रहा है खुला खेल

संवाददाता

देहरादून। शहर की शराब की दुकानों पर ओवर रेटिंग का खुला खेल खेला जा रहा है और आबकारी विभाग आंखे मूंदे बैठा है। जबकि सरकार ने दावा किया था कि इस साल प्रदेश में शराब सस्ती की जायेगी लेकिन सरकार के आदेशों को पलीता लगाते हुए ओवर रेटिंग का खेल खेला जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश में मार्च में शराब के ठेकों की नीलामी से पहले ही धामी सरकार ने घोषणा की थी कि इस बार प्रदेश में नयी शराब नीति के तहत शराब के दामों में कमी की जायेगी। सरकार की इस घोषणा के बाद मदिरा का शौंक रखने वालों को भी काफी राहत सी महसूस हुई थी कि इस बार शराब सस्ती होगी। लेकिन जैसे ही शराब के ठेके नीलाम हुए ऐसा कुछ दिखायी नहीं दिया। कुछ सस्ते ब्रांडों में तो दस से बीस रूपये के दाम कम हुए वहीं महंगे ब्रांडों में ऐसा कुछ दिखायी नहीं दिया। वहीं देशी शराब के दाम जस के तस ही दिखायी दिये। जिसके बाद मदिरा का

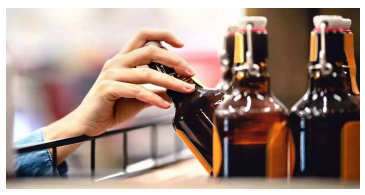

सेवन करने वालों की समझ में आया कि सरकार भी लोगों से मजाक कर रही है। वहीं शराब कारोबारी सरकार से भी दो कदम आगे दिखायी दिये।

पर्यटन प्रदेश होने के चलते बाहरी राज्यों से आने वाले लोग यहां पर शराब के दामों को सुनकर अचम्भे में आते हैं कि यह पर्यटन प्रदेश है और यहां पर शराब इतनी महंगी क्यों है? बाद में पता चला कि शराब तो महंगी है ही वहीं दुकानों पर सेल्समैन ओवर रेट ले रहे है। प्रत्येक पव्वे-अद्धे पर दस से बीस रूपये तक की ओवर रेटिग साफ दिखायी देती है। यह हाल प्रदेश की राजधानी का है। जहां पर सारे अधिकारी, सचिव, मंत्री सब मौजूद हैं लेकिन ओवर रेटिंग की तरफ किसी का कोई ध्यान नहीं जाता है। आये दिन इस बात की शिकायतें

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी मिली

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी मिली है। यह धमकी डायल 112 पर मैसे के रुप में प्राप्त हुई थी। धमकी भरे मैसेज में अपराधी ने कहा, 'मैं जल्द ही सीएम योगी को मार दूंगा।' इस मामले में पुलिस ने लखनऊ के एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वहीं, यूपी एटीएस समेत सभी एजेंसियों को इसकी सूचना दी गई है। 'डायल 112' को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जान से मारने की धमकी मिलने के बाद थाना सुशांत गोल्फ सिटी में आईपीसी की धारा 506 और 507 और आईटी अधिनियम की धारा 66 के तहत एफआईआर दर्ज कराई गई है। यह एफआईआर ऑपरेशन कमांडर ने थाना सुशांत गोल्फ सिटी में लखनऊ के एक अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ दर्ज कराई है। पुलिस ने बताया कि, सीएम योगी को 23 अप्रैल की रात 8:22 बजे डायल 112 मुख्यालय में सोशल मीडिया की वाट्सअप डेस्क पर धमकी भरा मैसेज मिला था। मैसेज में लिखा था 'मैं जल्द ही सीएम योगी को मार दूंगा'।

इससे पहले पीएम मोदी को धमकी भरा पत्र लिखा था। जिसने वो पत्र लिखा था उस व्यक्ति को पुलिस ने रविवार को पकड़ लिया। दरअसल, 24 अप्रैल को निर्धारित कोच्चि की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर आत्मघाती बम हमले की धमकी देने वाला पत्र लिखा था। पुलिस ने बताया कि पकड़े गए आरोपी की पहचान जेवियर के रूप में हुई है।

महिला पहलवानों की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ एफआईआर की मांग को लेकर महिला पहलवानों की ओर से डाली गई याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया। इस याचिका को 28 अप्रैल के लिए सूचीबद्ध किया गया है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने पहचान जाहिर नहीं करने के लिए न्यायिक रिकॉर्ड से सात शिकायतकर्ता पहलवानों के नाम हटाने का भी निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा, अंतर्राष्ट्रीय खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले पहलवानों ने यौन उत्पीड़न के बारे में

याचिका में गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले पर इस अदालत की ओर विचार किए जाने की आवश्यकता है। चीफ जस्टिस डी वाई चंद्रचूड़ और जस्टिस पी एस नरसिम्हा की पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर संज्ञान लिया कि यौन शोषण के आरोपों के बावजूद कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी है। पीठ ने कहा, नोटिस जारी किया जाता है। इसे शुक्रवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करें। दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों ने कल कहा था कि जब तक पुलिस मामले में प्राथमिकी दर्ज नहीं कर लेती, तब तक वे प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने दावा किया कि कई दिन पहले शिकायत जमा कराने के बावजूद दिल्ली पुलिस ने केस दर्ज करने से इनकार किया है। शीर्ष महिला पहलवानों ने कहा है कि उनका डब्ल्यूएफआई के चुनावों से कोई लेना-देना नहीं है और वे अपने उन आरोपों की उचित जांच की मांग पर जोर देती रहेंगी कि बृजभूषण शरण सिंह ने महिला एथलीटों का यौन शोषण किया है।

दून वैली मेल

संपादकीय

खराब मौसम से सावधान

चार धाम यात्रा के साथ ही मौसम में आए बड़े बदलाव ने चारधाम यात्रियों की मुश्किलों को बढ़ा दिया है। श्रद्धा का सैलाब रोक पाना संभव नहीं है। बीते कल अत्यंत की विपरीत परिस्थितियों के बीच केदारधाम में 8 हजार के आसपास यात्रियों का पहुंचना यह बताने के लिए काफी है। धाम में भारी बर्फबारी और शुन्य डिग्री से नीचे तापमान के बावजूद बर्फीले रास्तों को पार कर बाबा के धाम तक पहुंचे इन श्रद्धालुओं के जुनून की हद यह है कि इतनी भीषण सर्दी की रात में भी रात 12 बजे से यह श्रद्धालु दर्शनों के लिए लाइनों में खड़े हो गए थे जबकि धाम के कपाट सुबह 6:20 बजे खोले जाने थे। इन विषम परिस्थितियों का प्रभाव यात्रियों की सेहत और स्वास्थ्य पर नहीं पड़ेगा यह असंभव बात है। यह हाल तब है जब कुछ यात्रियों को खराब मौसम और धाम में सीमित संख्या में श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था होने के कारण कुछ यात्रियों को सोनप्रयाग और गौरीकुंड में ही रोक दिया गया था भले ही सरकार द्वारा यात्रा मार्गों पर 50 स्वास्थ्य एटीएम संचालित करने का दावा किया जा रहा हो और किसी यात्री की तबीयत बिगड़ने पर एयर एंबुलेंस उपलब्ध कराने तक की बात कही जा रही हो लेकिन मौसम की विसंगतियों का सामना इतनी आसानी से नहीं किया जा सकता है। मौसम विभाग द्वारा गंगोत्री क्षेत्र में आने वाले दिनों में भारी बर्फबारी का अलर्ट जारी किया गया है। गोमुख मार्ग (ट्रैक) को इस चेतावनी के बाद 4 दिन के लिए बंद कर दिया गया है तथा आवाजाही पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया गया है। क्योंकि इस दौरान एवलांच की संभावना भी जताई गई है। जरूरत इस बात की है कि यात्रियों को शासन प्रशासन की इस चेतावनी पर भी ध्यान देने की जरूरत है जिसमें यात्रियों से यह अनुरोध किया गया है कि वह खराब मौसम में यात्रा न करें और सुरक्षित ठिकानों पर ठहर कर मौसम के ठीक होने का इंतजार करें। इसमें भले ही यात्रियों की यात्रा एक-दो दिन अधिक लंबी हो सकती है लेकिन यह देरी दुर्घटना से ज्यादा भली है। मौसम विभाग की चेतावनी के बाद हरिद्वार और ऋषिकेश में होने वाले ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन को तो रोक ही दिया गया वहीं केदारनाथ जाने वाले यात्रियों को रास्तों में कई जगह रोका जा रहा है। शासन-प्रशासन द्वारा ऐसा इन यात्रियों की सुरक्षा के मद्देनजर ही किया जा रहा है। इसे सरकार की या प्रशासन की कमी या खामी के तौर पर नहीं देखा जाना चाहिए। बीते साल चार धाम यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की मौतों का मामला सामने आया था अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों में ऑक्सीजन की कमी और पहले से ही बीमारियों से पीड़ित यात्रियों की मुश्किलें इस खराब मौसम में और अधिक बढ़ जाती हैं देश के गर्म इलाकों से आने वाले यात्री मौसम के बदलाव के साथ अपने शरीर को सामान्य नहीं रख पाते जिससे कई बार उन्हें गंभीर स्थितियों का सामना करना पड़ता है खास बात यह है कि यह खराब मौसम अभी लंबे समय तक रहने वाला है इसलिए भी यात्रियों को विशेष सावधानियां बरतने की जरूरत है।

चारधाम यात्रा मार्ग पर सफाई कर्मियों को मिली सहूलियत

उत्तरकाशी (कासं)। जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला के निर्देशानुसार स्वजल विभाग द्वारा सफाई कर्मियों को अतिरिक्त हस्तचालित ट्रॉली देकर राहत दी है। सफाई कर्मी अब आसानी के साथ हस्तचालित ट्रॉली के माध्यम से कूड़ा काम्पेक्टर मशीन तक पहुंचा पाएंगे। जिलाधिकारी ने चारधाम यात्रा मार्ग के साथ ही यात्रा से जुड़े ग्रामीण बाजार में भी नियमित स्वच्छता बनाएं रखने के निर्देश पंचायत राज विभाग,स्वजल और जिला पंचायत को दिए है। साथ ही जिलाधिकारी ने यात्रा मार्ग पर तैनात किए गए सफाई कर्मियों का मानदेय का भुगतान भी समय से करने के निर्देश सम्बंधित विभागों को दिए है। जिलाधिकारी ने कहा कि चारधाम यात्रा मार्ग से लगे ग्रामीण बाजार में सफाई का विशेष ध्यान रखा जाय। साथ ही नियमित रूप से कूड़ा एकत्र कर कूड़ा निस्तारण केंद्र भेजा जाए। उन्होंने कहा कि स्थानीय दुकानदारों,प्रतिष्ठानों के साथ वार्ता कर गिला और सूखा कूड़ा(प्लास्टिक कूड़ा) को अलग-अलग कर उचित निस्तारण किया जाय।

पुरुत्रा हि सद्दृङ्ङसि विशो विश्वा अनु प्रभुः।
समत्सु त्वा हवामहे॥

(ऋग्वेद ८-४३-२१)

परमेश्वर सभी देशों और क्षेत्रों में रहने वालों को एक समान रूप से देखते हैं। वह लेश मात्र भी किसी के साथ कोई भेदभाव नहीं करते। हमें जीवन के संग्राम में उन्हें ही स्मरण करना चाहिए।

God treats all equally, irrespective of their living in any country or region. He doesn't discriminate against anyone, not even an iota. He is worthy to be invoked in the struggle of life. (Rig Ved 8-43-21)

केदारनाथ धामः दुनिया का एकलौता शिव मंदिर, जो कहलाता है जागृत महादेव

लोकेंद्र सिंह बिष्ट

बारह ज्योतिर्लिंग में शुमार बाबा केदारनाथ जी को जागृत महादेव भी माना जाता है। माना जाता है कि इस मंदिर में भगवान शिव आज भी जागृत अवस्था में हैं और समय समय पर अपने भक्तों की मदद के लिए अपने चमत्कार दिखाने के साथ ही भक्तों को दर्शन भी देते हैं। कपाट खुलने के बाद आने वाले छह माह तक अराध्य देव बाबा केदारनाथ जी की पूजा-अर्चना इसी धाम में होगी।

केदारनाथ को 'जागृत महादेव' कहा जाता है। इसके पीछे एक प्रसंग प्रचलित है। प्रसंग के मुताबिक बहुत समय पहले एक बार एक शिव-भक्त अपने गांव से केदारनाथ धाम की यात्रा पर निकला। तब यात्राएं पैदल ही हुआ करती थीं क्यों कि यातायात की सुविधाएं तो थी नहीं तो शिवभक्त भी दूसरे तीर्थयात्रियों की ही तरह पैदल ही निकल पड़ा बाबा के दर के लिए।

विकट मार्ग, अनजाने रास्तों से होकर दूर हिमालय की गोद में स्थित केदारनाथ तक पहुंचना आसान भी नहीं था। तब रास्ते में न कोई ज्यादा लोग होते थे न गांव कस्बे जो रास्ता बताते। न पानी न भोजन की व्यवस्था। पानी तो प्राकृतिक जल स्रोतों गाड़ गदेरों से मिल ही जाता था लेकिन भोजन के नाम पर साथ कुटरी में बांधे सत्तू या चना ही होता था।।रास्ते में इक्का दुक्का ही लोग मिलते थे जिनसे बाबा केदार नाथ जी के धाम का रास्ता पूछते पूछते यह शिवभक अपनी मंजिल की ओर बढ़ रहा था।। रास्ते में जो भी मिलता उससे केदारनाथ जी के धाम का मार्ग पूछ लेता और मन में भगवान शिव का ध्यान करते चला जा रहा था। तब इस भक्त को क्या सभी शिवभक्तों को चलते चलते केदारनाथ धाम तक पहुंचने में महीनों लग जाते थे।

आखिरकार एक दिन वह बाबा के धाम केदारनाथ पहुंच ही गया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। बताते चलें कि बाबा केदारनाथ धाम में मंदिर के द्वार 6 महीने ही खुले रहते हैं और शीतकाल के 6 महीने बंद रहते हैं। शिवभक्त जब वहां पहुंचा तो उस समय केदारनाथ मंदिर के द्वार 6 महीने के लिए बंद हो रहे थे। धार्मिक परंपरा के मुताबिक मंदिर के द्वार दोबारा 6 महीनों के बाद ही खुलते हैं।

शिवभक्त जब कई सौ किलोमीटर की यात्रा पूरी कर थक हारकर बाबा के धाम केदारनाथ पहुंच तो वह हक्का बक्का रह गया। उसके पावों तले की जमीन खिसक गई, उसके पांव ही नहीं पूरा शरीर कांपने लगा, वह घोर निराशा के बीच आशा की किरण ढूंढने लगा। दरअसल बाब के धाम का नजारा बदला बदला सा उसे नजर आने लगा। बाबा के धाम में कपाट बंद होने की सभी तैयारियां पूर्ण होने के बाद पंडा पुजारी मुख्य द्वार के कपाट बंद कर रहे थे। शिवभक्त ने हिम्मत जुटाकर मंदिर के कपाट बंद करने वाले पंडित पुरोहितों से अनुरोध किया कि वह बमुश्किल से बाबा के द्वार पहुंचा है। कई सौ किलोमीटर की थकाऊ यात्रा कर भूके प्यासे वह बाबा के द्वार पहुंचा है इसलिए दर्शन के लिए बाबा के द्वार कुछ समय के लिए खोल दिए जाएं ताकि वह भी प्रभु के दर्शन कर वह भी धन्य हो जाए वा इस जीवन से उद्धार पा सके। लेकिन तब तक पंडित जी ने परंपरा का पालन करते हुए द्वार को बंद कर दिया था । और क्योंकि परंपरा वा नियम है कि एक बार द्वार बंद तो दोबारा छ महीनों बाद ही खुलेंगे।

पुजारियों के निर्णय वा परंपरा से भक्त बहुत निराश हुआ और रोने लगा। इसके बाद वह बहुत रोया। बार-बार भगवन शिव को याद करने लगा कि प्रभु बस एक बार दर्शन करा दो। वह सभी से प्रार्थना कर रहा था लेकिन उसकी किसी ने भी नहीं सुनी और बाबा की चल विग्रह उत्सव डोली जन सैलाब के साथ केदारनाथ धाम से शीतकालीन प्रवास के लिए ऊखीमठ को चल पड़ी।

चलते चलते मंदिर के मुख्य पंडित ने भक्त से कहा कि वह वापिस अपने घर चला जाए और दोबारा 6 महीने के बाद आए। लेकिन भक्त ने उनकी बात नहीं मानी और वहीं पर खड़ा होकर घोर निराशा के बीच शिव का कृपा पाने की उम्मीद करने लगा। धीरे धीरे दिन ढलने लगा और शांय के बाद रात भी होने लगी। भूख-प्यास से उसका बुरा हाल हो गया। लेकिन शिवभक्त ने आस नहीं छोड़ी। रात हो चुकी थी। धाम में चारो तरफ सन्नाटा वा घुप्प अंधेरा छा गया। इसी दौरान उसने रात के अंधेरे में एक सन्यासी बाबा के आने की आहट सुनी, वह डर गया और आश्चर्यचकित भी हो गया।

रात के अंधेरे में एक संन्यासी बाबा उसके करीब आए और उन्होंने शिवभक्त से बाबा के धाम आने के बारे में पूछा।। संन्यासी बाबा के पूछने पर शिवभक्त ने उनसे अपना समस्त हाल कह सुनाया। फिर बहुत देर तक बाबा उससे बातें करते रहे। बाबा को उस पर दया आ गई। वह बोले, "बेटा मुझे लगता है, सुबह मन्दिर जरुर खुलेगा। तुम दर्शन जरूर करोगे।श्श बाना ने शिवभक्त को कुछ खाने के लिए दिया और ठंडी से बचने के लिए उसे एक कंबल दे दिया जिसको ओढ़कर शिवभक्त बाबा से बातें करने लगा । बातों-बातों में इस भक्त को ना जाने कब गहरी नींद आ गई।

सुबह सूर्य के मद्धिम प्रकाश के साथ भक्त की आंख खुली। उसने इधर उधर देखा तो बाबा कहीं नजर नहीं आए। नजर आए तो बाबा की चल विग्रह डोली गाजे बाजों के साथ लोगो का हुजूम और पंडा पुजारी बाबा के जयकारों वा उदघोष के साथ बाबा के धाम केदारनाथ जी की ओर बढ़े चले आ रहे थे। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाता उसने देखा मुख्य पंडित जी आ रहे है अपनी पूरी मंडली के साथ। मंदिर प्रांगणए यात्रा के पहुंचते ही उस शिवभक्त ने पंडित को प्रणाम किया और बोला कल आप ने तो कहा था मन्दिर 6 महीने बाद खुलेगा? इस बीच कोई नहीं आएगा यहां लेकिन आप तो सुबह ही आ गये।। और अगर सुबह ही आना था तो मुझे कल ही बाबा के दर्शन करा देते तो आज सुबह पुनः नहीं आना पड़ता। शिवभक्त की बातों को सुनकर सभी लोग गौर से देखने लगे और पंडित जी ने उस भक्त को पहचान लिया था पूछा तुम वही हो जो मंदिर का द्वार बंद होने पर आये थे? और मुझे मिले थे। शिवभक्त ने कहा कि जी मैं वही हूं जिसको आपने कल बाबा के दर्शन नहीं करने दिए। और दर्शन कराने ही थे तो कल ही करा देते आज वापिस नहीं आना पड़ता।

पंडा पुजारी हतप्रभ थे उन्होंने कहा कि वे लोग तो छ महीने बाद ही कपाट खुलने के अवसर पर बाबा की डोली के साथ ए रहे हैं।

उस आदमी ने आश्चर्य से कहा नहीं, मैं कहीं नहीं गया। कल ही तो आप मिले थे रात में मैं यहीं सो गया था। मैं कहीं नहीं गया। पंडित जी और शिवभक्त दोनो के आश्चर्य का ठिकाना नहीं था। उन्होंने कहा लेकिन वे तो 6 महीने पहले मंदिर बन्द करके गए थे और आज 6 महीने बाद वापिस आए हैं परंपरा के अनुसार कपाट खुलने के लिए। तुम 6 महीने तक यहां पर इतनी कड़ाके की ठंड और कई फीट तक जमा बर्फबारी के बीच जिन्दा कैसे रह सकते हो? पंडित और सारी मंडली हैरान थी।

इतनी सर्दी में एक अकेला व्यक्ति कैसे 6 महीने तक जिन्दा रह सकता है। तब उस भक्त ने उनको सन्यासी बाबा के मिलने और उसके साथ की गई सारी बाते बता दी। सारा वृतांत सुनाते हुए शिवभक्त ने कहा कि एक सन्यासी आया था लम्बा था, लंबी उलझी बड़ी बड़ी जटाये, एक हाथ में त्रिशुल और एक हाथ में डमरू लिए, मृग-शाला पहने हुआ था।

उन्होंने मुझे खाने के लिए चने आदि वा ओढ़ने के लिए एक कंबल भी दिया था।

पंडित जी वा समस्त यात्री समझ गए कि इस भक्त से उस रात स्वयं शिव जी ही मिलने आए थे।

भगवान बाबा केदार ने शिवभक्त को ऐसा वरदान दिया की उसकी सारी दिक्कते दूर हुई और उसकी छ महीनों की दिनरात उसे एक ही रात लगी। उसी समय से बाबा केदारनाथ जी को 'जागृत महादेव' कहा जाने लगा।

इसके बाद पंडित और सब लोग उसके चरणों में गिर गये। बोले हमने तो जिंदगी लगा दी किन्तु प्रभु के दर्शन ना पा सके सच्चे भक्त तो तुम ही हो। तुमने तो साक्षात भगवान शिव के दर्शन किए हैं।

उन्होंने ही अपनी योग-माया से तुम्हारे 6 महीने को एक रात में परिवर्तित कर दिया। काल-खंड को छोटा कर दिया। यह सब तुम्हारे पवित्र मन और तुम्हारे विश्वास के कारण ही हुआ है।

पुलिस ने नशा मुक्ति केन्द्रों का किया औचक निरीक्षण, दिये निर्देश

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने नशा मुक्ति केन्द्रों का औचक निरीक्षण कर वहां पर पायी गयी अनियमितताओं पर केन्द्र संचालकों को जरूरी दिशा निर्देश दिये।

आज यहां वर्तमान में जनपद में चलाए जा रहे नशा मुक्ति उत्तराखंड अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन व क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष क्लेमेंट टाउन के नेतृत्व में टीम गठित कर थाना क्षेत्र स्थित रुद्राक्ष एवं लक्ष्य नशा मुक्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान नशा मुक्ति केंद्र के कार्यालय स्टॉफ एवं अन्य स्टाफ तथा वहां भर्ती नव युवकों से वार्ता कर नशा मुक्ति केंद्र में नव युवकों को नशे से दूर रखने के संबंध में क्या क्या प्रयास किए जा रहे हैं अथवा सिखाया जा रहा है तथा नशा मुक्ति केंद्र में रहने एवं खाने की व्यवस्था का भौतिक सत्यापन किया गया नशा मुक्ति केंद्र रुद्राक्ष में 12 युवक तथा लक्ष्य नशा मुक्ति केंद्र में 35 युवक भर्ती हैं जिन्हें नशे से दूर रहने के हेतु प्रोत्साहित किया गया। नशे के दुष्प्रभाव के संबंध में सभी को जानकारी देते हुए बताया कि नशे से शरीर के साथ-साथ आर्थिक मानसिक व समाज में स्थिति बिगड़ती जाती है नशे के आदि नव युवकों को नशे से दूर रहने हेतु जागरूक किया गया तथा बताया कि अपने साथ ही अन्य नवयुवकों को भी नशे से दूर रखने हेतु प्रोत्साहित करें। जिस पर सभी नवयुवकों द्वारा नशा छोड़ने का संकल्प लिया गया। नशा मुक्ति केंद्र रुद्राक्ष में साफ-सफाई ,रहन-सहन,खाने, सुरक्षा गार्ड, सीसीटीवी आदि सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गई किंतु लक्ष्य नशा मुक्ति केंद्र में साफ-सफाई, रहन-सहन, खाने, सुरक्षा, सीसीटीवी आदि व्यवस्थाएं सही नहीं पाई गई नशा मुक्ति केंद्र में क्षमता से अधिक युवक भर्ती पाए गए। जिस पर नशा मुक्ति केंद्र संचालक को सख्त हिदायत दी गई कि तत्काल व्यवस्थाएं सही कर लें अन्यथा आवश्यक विधि क कार्यवाही की जाएगी और यह भी हिदायत दी गई कि जहां पर नशा मुक्ति केंद्र संचालित है वहां पर आस-पड़ोस सभी लोग परिवार सहित निवास करते हैं जिस कारण आसपास के लोगों को भी नशा मुक्ति केंद्र के होने से काफी परेशानी हो रही है तथा सुरक्षा की दृष्टि से भी उक्त स्थान नशा मुक्ति केंद्र के लिए सही नहीं है जिस पर संचालक द्वारा अवगत कराया गया है कि वह तुरंत उक्त नशा मुक्ति केंद्र को किसी अन्यत्र जगह पर स्थानांतरित कर देगा। भविष्य में किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं मिलेगी।

मन की बात के 100वें संस्करण को भव्य बनाने की तैयारी

देहरादून (सं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम के 100वें संस्करण को भव्य बनाने के लिए अल्पसंख्यक मोर्चा ने तैयारियां शुरू कर दी। भारतीय जनता पार्टी पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम का 100वाँ संस्करण 30 अप्रैल को सुबह 11 बजे प्रसारित होना है इसके लिए पूरे देश में प्रत्येक बूथ पर कार्यक्रम आयोजित होना है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तराखंड के प्रदेश उपाध्यक्ष अंकुर जैन ने बताया कि कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए शीर्ष नेतृत्व से दिशा निर्देश प्राप्त हुए है। उसके निमित प्रत्येक कार्यकर्ता को चाहिए कि अधिक से अधिक लोगों तक इसकी जानकारी पहुंचाये, ताकि अधिक से अधिक लोग इस एपिसोड को सुन सके, प्रधानमंत्री के अमूल्य विचारो को जान सके. मन की बात सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं ब्लकि हमारे देश व राज्य में छुपी हुई प्रतिभाओं को उजागर करने का मंच है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड के बेडू और मंडूवे का जिक्र जब पीएम ने किया तो गरीबो का खाने वाला अनाज फाइव स्टार का भोजन बन गया। इस कार्यक्रम को भव्य बनाने के लिए कामकाजी बैठकों का दौर जारी है। विभिन्न क्षेत्र में डॉक्टर, इंजीनियर, आर्किटेक्ट, अधिवक्ताओं, व्यापार मंडलों, सामाजिक सेवा वाले जन प्रतिनिधियों, टैक्सी यूनियन, ऑटो यूनियन,से भी सम्पर्क कर इस कार्यक्रम को भव्य बनाने की तैयरी पूरा देश में हो रहीं है। अंकुर जैन ने बताया कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा उत्तराखंड अल्पसंख्यक मुस्लिम बहुल क्षेत्रो में अधिक से अधिक बूथों पर कार्यक्रम आयोजित करने की योजना पर कार्य कर रहा है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

दिनभर में केवल 2 बार करें दही का सेवन, होंगे फायदे

आपके घर में भी अगर बुजुर्ग लोग हैं तो आपने उनसे किसी भी शुभ कार्य पर जाने से पहले दही खाने की बात जरूर सुनी होगी। इतना ही नहीं, बल्कि कई घरों में इस परंपरा को अभी भी माना जाता है। ज्यादातर लोग दही का सेवन कभी ना कभी तो करते ही हैं, लेकिन क्या आपने कभी यह सोचा है कि दही आपके स्वास्थ्य के लिए कितने प्रकार से लाभदायक साबित हो सकता है। जी हां, दही खाने से कई स्वास्थ्य लाभ हो सकते हैं।

दही का सेवन आपके स्वास्थ्य से जुड़ी जिन समस्याओं में यह कारगर साबित हो सकता है, उनके बारे में नीचे आपको विस्तृत रूप से जानकारी दी जा रही है।

दिल की धड़कन को रखता है सामान्य

दिल की धड़कन को सामान्य रूप से संचालित करने के लिए आपके शरीर को कुछ जरूरी पौष्टिक तत्वों की आवश्यकता होती है जिसे दही के जरिए पूरा किया जा सकता है। दही में विटामिन बी की अच्छी मात्रा मौजूद होती है। विटामिन बी हमारे शरीर को विभिन्न प्रकार के हृदय रोगों से बचाए रखने का काम तो करता ही है साथ ही साथ हार्टबीट को भी संतुलित बनाए रखने में बहुत मददगार साबित हो सकता है। इसलिए हार्ट बीट को सामान्य रूप से बरकरार रखने के लिए आप भी दही का सेवन कर सकते हैं।

ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने में भी दही का सेवन काफी लाभदायक साबित हो सकता है। वैज्ञानिक रिसर्च के अनुसार दही में पोटेशियम की मात्रा पाई जाती है। नेशनल सेंटर फॉर बायो टेक्नोलॉजी इंफॉर्मेशन की एक रिपोर्ट के अनुसार, पोटेशियम की मात्रा ब्लड प्रेशर की समस्या को रोकने में काफी हद तक मददगार साबित हो सकती है। इसलिए जिन लोगों को ब्लड प्रेशर से जुड़ी परेशानी है वह दही का सेवन कर सकते हैं।

हड्डियों की मजबूती के लिए

हड्डियों की मजबूती के लिए भी दही का सेवन काफी फायदेमंद हो सकता है। यही वजह है कि दही को बुजुर्गों के द्वारा भी बहुत ज्यादा पसंद किया जाता है क्योंकि यह ऑस्टियोपोरोसिस (हड्डी से जुड़ा एक रोग) के जोखिम को कम करने के लिए भी बहुत सक्रिय रूप से कार्य कर सकता है। वहीं, दही में मौजूद कैल्शियम और प्रोटीन की मात्रा हड्डियों के विकास और उनकी मजबूती के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती है। इसलिए बोन हेल्थ को ध्यान में रखते हुए आप दही का सेवन कर सकते हैं।

डायरिया से बचाने में मददगार

डायरिया जैसी बीमारी का अगर ठीक समय पर इलाज न किया जाए तो यह जानलेवा भी साबित हो सकती है। वहीं, दही का सेवन करने से आप डायरिया के कारण होने वाले जोखिम से भी बचे रह सकते हैं और इसका कारण दही में मौजूद एंटीबायोटिक्स है। दरअसल एंटीबायोटिक्स के कारण ही अगर डायरिया जैसी बीमारी में आप इसका सेवन करते हैं तो यह आपके शरीर को इससे होने वाले जोखिम से बचाने में काफी मदद कर सकता है।

इम्यून सिस्टम को करता है मजबूत

इम्यून सिस्टम को मजबूत करने के लिए भी दही का सेवन आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी लेकिन इस पर डॉक्टरी अध्ययन भी हो चुके हैं। दरअसल दही में प्रोबायोटिक बैक्टीरिया मौजूद होते हैं जो इम्यून सेल्स को मजबूत करते हैं क। इसलिए दही का सेवन करने से आपके शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ सकती है।

शरीर के लिए जरूरी विटामिन्स की होगी पूर्ति

दही का सेवन करने से आपके शरीर को जरूरी कई प्रकार के विटामिन्स भी बड़ी आसानी से मिल जाते हैं। दरअसल दही में बिफिडोबैक्टीरिया मौजूद होता है। जब आप दही का सेवन करते हैं तो यह बैक्टीरिया पेट में पहुंचने के बाद शारीरिक क्रियाओं को संपन्न करते हुए थायमीन, नियासिन, फोलेट, विटामिन बी6, विटामिन बी12 और पोटेशियम जैसे पौष्टिक तत्वों का निर्माण करके शरीर को इनकी पूर्ति कर सकता है। जिसने आपके शरीर को अन्य आवश्यक पौष्टिक तत्वों की भी पूर्ति बड़ी आसानी से हो जाती है। इसलिए विभिन्न प्रकार के पौष्टिक तत्वों की पूर्ति करने के लिए भी आप दही का सेवन कर सकते हैं।

गर्मियों में पसीने को नियंत्रित करने के लिए अपनाएं ये 5 टिप्स

गर्मी का मौसम मौज-मस्ती का समय हो सकता है, लेकिन इस दौरान अत्यधिक पसीना आपको असहज महसूस करवा सकता है। हालांकि, पहनने के लिए सही कपड़े चुनने से लेकर हाइड्रेटेड रहने और साफ-सफाई का ध्यान रखने तक, ऐसे कई कार्य और प्रभावी तरीकों से पसीने को नियंत्रित करने में मदद मिल सकती है। आइए आज हम आपको 5 ऐसी टिप्स देते हैं जो गर्मियों के दौरान आपको कूल रखने और पसीने को कम करने में मदद कर सकते हैं।

इन खान-पान की चीजों के सेवन से बचें : खान-पान की चीजों का गलत चयन भी पसीने की समस्या को बढ़ा सकता है। शराब और कैफीन युक्त चीजें शरीर में एड्रेनालाईन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए जानी जाती हैं, जिससे आपको अधिक पसीना आ सकता है। मसालेदार खाना भी पसीने बढ़ाने का काम कर सकता है। ऐसे में पसीने को नियंत्रित करने के लिए शराब और कैफीन का सेवन सीमित करें और हल्के खाद्य पदार्थों का सेवन करें।

टाइट कपड़े न पहनें

अधिक पसीने से बचने के लिए खुद को ठंडा रखने की कोशिश करें। इसके लिए हल्के और हवादार कपड़े पहनें। कॉटन और लिनन जैसे कपड़े आपको ठंडा और आरामदायक रखने में मदद कर सकते हैं। गर्मियों में पॉलिएस्टर और नायलॉन जैसे कपड़ों को पहनने से बचना चाहिए। इसका कारण है कि गर्मी में ये परेशान करते हैं। इसके साथ ही पैरों में खुले पंजे वाले जूते या सैंडल पहने और मोटे मोजे पहनने से बचें।

एंटीपर्सपिरेंट डियोडोरेंट का इस्तेमाल करें : रात में एंटीपर्सपिरेंट डियोडोरेंट लगाना गेम-चेंजर हो सकता है। यह पसीने की ग्रंथियों को अधिक पसीना उत्पादित करने से रोक सकता है। रात में एंटीपर्सपिरेंट लगाने से उत्पाद पूरी तरह से त्वचा में अवशोषित हो जाता है और दिन शुरू होने से पहले ही काम करना शुरू कर देता है। इसके बाद दिनभर पसीना कम आता है। अगर आप शरीर की दुर्गंध से परेशान हैं तो गर्मियों में हमेशा अच्छी महक बनाए रखने के लिए इन घरेलू नुस्खों को आजमाएं।

क्रिएटिव तरीकों से गर्मी से बचें :

अपने कमरे के चारों ओर ठंडी हवा के लिए एक पंखे के सामने बर्फ का कटोरा रखें और दिन के दौरान अपने पर्दे को ढक दें ताकि सूरज आपके घर को गर्म न करें। आप चाहें तो अपने घर में ठंडक देने वाले पौधे भी रख सकते हैं। यदि आप बाहर हैं तो सीधे धूप से बचने के लिए छायादार स्थानों की तलाश करें। इसके अतिरिक्त त्वचा की ठंडक के लिए आप अपने मॉइस्चराइजर को फ्रिज में रख सकते हैं।

विच हेजल या सेब का सिरका लगाएं

विच हेजल एक हर्ब है जो पसीने की ग्रंथियों को नियंत्रित करने करके नमी को कम करने में मदद कर सकता है। दूसरी ओर रात भर पसीने को नियंत्रित करने के लिए शाम के समय अपने अंडरआर्म्स को साफ करके इन पर सेब का सिरका पानी के साथ मिलाकर लगाएं। ये दोनों घरेलू नुस्खे जरूरत से ज्यादा आने वाले पसीने से प्रभावी बचाव का काम कर सकते हैं। (आरएनएस)

नवंबर में शुरू होगी ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की वॉर 2 की शूटिंग?

वॉर 2 बॉलीवुड की भी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है। यह फिल्म इसलिए भी खास है क्योंकि इसके जरिए दक्षिण भारतीय सिनेमा के मशहूर अभिनेता जूनियर एनटीआर बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने को तैयार है। वह पहली बार ऋतिक रोशन के साथ पर्दे पर स्क्रीन साझा करते नजर आएंगे। इस बार फिल्म के निर्देशन की कमान अयान मुखर्जी को सौंपी गई है। अब फिल्म की शूटिंग शुरू होने की जानकारी सामने आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक और एनटीआर की वॉर 2 की शूटिंग नवंबर, 2023 में शुरू होगी। एक सूत्र ने कहा, सबसे बड़े एक्शन अनुभव के लिए तैयार हो जाइए क्योंकि ऋतिक वॉर 2 में एनटीआर का मुकाबला करते नजर आएंगे। फिल्म को एक ऐसे पैमाने पर तैयार किया जा रहा है जिसे भारत में पहले कभी नहीं किया गया है। नवंबर में अपना शूटिंग शेड्यूल शुरू करने वाले इस एक्शन शो के लिए प्री-प्रोडक्शन जोरों पर है।

रिपोर्ट के अनुसार सूत्रों ने बताया, एनटीआर जूनियर वॉर 2 के लिए आदित्य चोपड़ा की पहली और एकमात्र पसंद हैं। वास्तव में यह किरदार जूनियर एनटीआर को ध्यान में रखकर लिखा गया है। वॉर 2 को दो सुपरस्टार्स - ऋतिक रोशन और एनटीआर जूनियर - के बीच की लड़ाई के रूप में डिजाइन किया गया है और यह विचार उन दोनों के व्यक्तित्व का जश्न मनाने के लिए है। जूनियर एनटीआर के साथ पिछले चार महीने से बातचीत चल रही है और यह चीजें मार्च तक पेपर पर उतर जाएंगी। केवल इतना ही नहीं सूत्र ने यह भी बताया कि अगर जूनियर एनटीआर ने वॉर 2 को रिजेक्ट कर दिया होता तो टीम फिर से उस कैरेक्टर पर काम करती और किसी दूसरी एक्टर के लिए वह किरदार लिखती। लेकिन ऐसा कुछ नहीं है। वॉर 2 में एक-दूसरे से फैस ऑफ करने के लिए ऋतिक और जूनियर एनटीआर काफी एक्साइटेड हैं। बता दें कि साल 2019 में ऋतिक रोशन और टाइगर श्रॉफ स्टारर फिल्म वॉर बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थी। यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साबित हुई थी।

अलाया एफ की यू-टर्न का 28 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर देगी दस्तक

अलाया एफ ने बहुत कम वक्त में इंडस्ट्री में अपने पैर जमा लिए हैं। इन दिनों उनकी कई फिल्में पाइपलाइन में है, जिसमें से एक यू-टर्न है। यू-टर्न का प्रीमियर 28 अप्रैल को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर किया जाएगा। यह फिल्म आरिफ खान द्वारा निर्देशित है, जबकि इसका निर्माण एकता कपूर ने किया है।

यू-टर्न में अलाया के अलावा प्रियांशु पेनयुली भू मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। यह कन्नड़ फिल्म यू-टर्न का हिंदी रीमेक है, जिसमें श्रद्धा श्रीनाथ ने अहम भूमिका निभाई थीं। यह फिल्म साल 2016 में रिलीज हुई थी। फिल्म यू-टर्न की कहानी एक फ्लाईओवर पर ट्रैफिक नियम तोड़ने वाले बाइक सवारों की मौत के इर्द-गिर्द घूमती है। इससे पहले ये फिल्म साल 2017 में मलयालम भाषा में भी बनाई जा चुकी है। बताते चलें कि अलाया एफ की फिल्म ऑलमोस्ट प्यार विद डीजे मोहब्बत फरवरी महीने में रिलीज हुई थी, जिसका डायरेक्शन अनुराग कश्यप ने किया था। हालांकि, बॉक्स ऑफिस पर ये फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। इससे पहले अलाया एफ जवानी जानेमन और फ्रेडी जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं।

००

सोरारई पोटरु का हिंदी संस्करण 1 सितंबर को सिनेमाघरों में होगा रिलीज

हिंदी सिनेमा के दमदार कलाकार अक्षय कुमार आने वाले समय में कई फिल्मों में नजर आने वाले हैं। अक्की की इन अपकमिंग फिल्मों में साउथ सुपरस्टार सूर्या की फिल्म सोरारई पोटरू का हिंदी रीमेक भी शामिल है। मंगलवार को अक्षय कुमार ने अपनी इसी फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज किया है। हालांकि फिल्म का टाइटल अभी रिवील नहीं किया है। सोरारई पोटरू के रीमेक के इस पोस्टर को लेकर लोग सोशल मीडिया पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं।

अक्षय कुमार ने अपने ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर सोरारई पोटरू के हिंदी रीमेक का फर्स्ट लुक पोस्टर रिवील किया है। इस पोस्टर में आप देख सकते हैं कि अक्षय कुमार एक पायलट के लुक में दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्टर के साथ अक्की ने लिखा है कि- टेक ऑफ के लिए हम तैयार हैं। प्रोडेक्सन नंबर 27 (अनटाइटल) 1 सितंबर 2023 को वर्ल्डवाइड सिनेमाघरों में रिलीज के लिए पूरी तरह से तैयार है।

इस पोस्टर पर आप साउथ सुपरस्टार सूर्या का नाम आसानी से देख सकते हैं। इससे ये साफ कहा जा सकता है कि अक्की की अगली फिल्म का ये पोस्टर सूर्या की सोरारई पोटरू के हिंदी रीमेक का ही है। अक्षय कुमार के अलावा इस फिल्म में बॉलीवुड कलाकार परेश रावल और एक्ट्रेस राधिका मदान भी लीड रोल में मौजूद हैं। जैसे ही अक्षय कुमार ने अपनी इस अपकमिंग फिल्म का पोस्टर ट्विटर पर शेयर किया है। उसके बाद से लोगों के रिएक्शन आने शुरू हो गए हैं। जिसके चलते एक ट्विटर यूजर ने अक्की के ट्वीट पर कमेंट कर लिखा है कि- क्या सर फिर से एक और रीमेक, कुछ तो ओरिजनल लाओ, ये सब फिल्में आप ओटीटी पर डाल दो, आपका स्टारडम खत्म हो गया है अब। दूसरे यूजर ने लिखा है कि- सोरारई पोटरू में सूर्या ने जबरदस्त परफॉर्मेंस दी है प्लीज अक्की आप उनकी लाज रख लेना। इस तरह से लोग अपनी बात रख रहे हैं।

क्या आपको भी लग गई है स्मार्टफोन की लत?

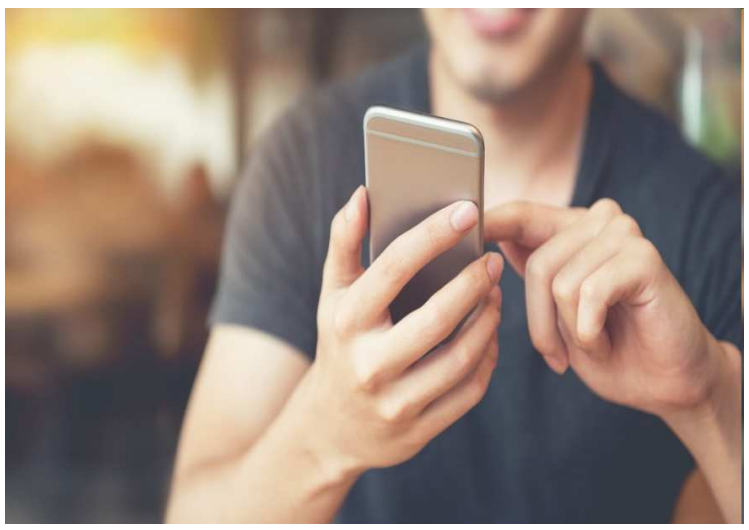

आज के समय में न सिर्फ युवा, बल्कि बच्चों को भी स्मार्टफोन की लत लग चुकी है। वह बार-बार फोन चेक करते हैं, फोन न मिलने पर बेचैन होने लगते हैं और कई बार तो बगैर फोन के एक घंटा भी चैन से नहीं रह पाते हैं। यह समझना जरूरी है कि स्मार्टफोन का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करने से स्वास्थ्य पर कई नकारात्मक प्रभाव पड़ सकते हैं। चलिए इस लत से छुटकारा पाने के तरीके जानते हैं।

स्मार्टफोन के इस्तेमाल को ट्रैक करें

अध्ययन के मुताबिक, कॉलेज जाने वाले छात्र-छात्राएं रोजाना कम से कम 8 से 10 घंटे स्मार्टफोन पर बिताते हैं। ऐसे में अगर आप इस लत को खत्म करना चाहते हैं तो अपने स्मार्टफोन के इस्तेमाल को ट्रैक करें। इसका मतलब है कि आप प्रति घंटे कितनी बार अपना फोन चेक करते हैं, इस पर निगरानी रखें। इसके लिए आप चाहें तो क्वालिटीटाइम और चेकी जैसे स्मार्टफोन उपयोग ट्रैकर ऐप्स भी डाउनलोड कर सकते हैं।

अन्य गतिविधियों में व्यस्त रहने की कोशिश करें

अक्सर स्मार्टफोन पर सोशल मीडिया स्क्रॉल करने से मूड अच्छा हो जाता है, जिससे लोग बार-बार इसका इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित होते हैं। हालांकि, बेहतर महसूस करने के लिए अपने स्मार्टफोन पर अधिक निर्भर रहने की बजाय व्यायाम, डांस, खेल, लेखन या पेंटिंग जैसी रचनात्मक चीजें करें। इससे आप नया कौशल सीखने के साथ-साथ अपना मूड भी बेहतर कर सकेंगे।

एक शेड्यूल सेट करें

स्मार्टफोन की लत से छुटकारा पाने के लिए आप अपने फोन पर अलार्म सेट कर सकते हैं। यह अलार्म आपको बताएगा कि फोन कितनी बार चेक करें। शुरू में हर 15 मिनट पर अलार्म सेट करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाकर 30 मिनट कर दें। अंत में हर 45 मिनट या 1 घंटे पर अलार्म लगाना शुरू करें। अलार्म बजने के बाद 4-5 मिनट अपने फोन की जांच करें और फिर टाइमर को दोबारा से रीसेट करें।

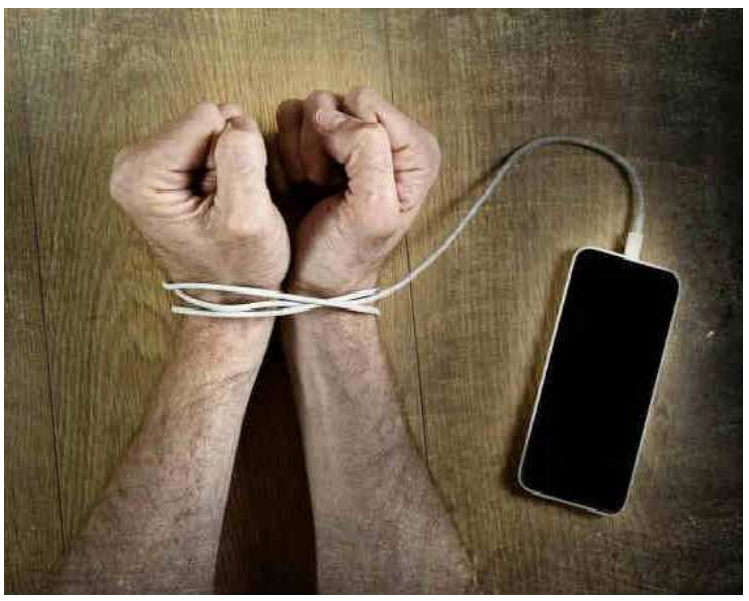

नोटिफिकेशन बंद कर दें

अगर फोन पर नोटिफिकेशन आएंगी तो आपका पूरा ध्यान तब तक फोन पर ही रहेगा, जब तक कि आप नोटिफिकेशन चेक न कर लें। इस कारण फोन की नोटिफिकेशन बंद करने या कुछ समय के लिए उन्हें म्यूट करने से स्मार्टफोन की लत से छुटकारा पाने में मदद मिल सकती है। इसके लिए डू नॉट डिस्टर्ब मोड का इस्तेमाल करें या व्हाट्सऐप, इंस्टाग्राम और फेसबुक आदि सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले ऐप्स की नोटिफिकेशन को बंद कर दें।

रात में फोन का इस्तेमाल करने से बचें

हम सभी रात के समय अपने स्मार्टफोन पर सोशल मीडिया ऐप्स स्क्रॉल जरूर करते हैं। हालांकि, कुछ लोग ऐसा करते-करते आधी रात निकाल देते हैं। इससे बचने के लिए रात को सोने से पहले अपने फोन को दूर रख दें। इससे आपको अच्छी नींद आएगी और आपकी आंखों की रोशनी ठीक रहेगी। आप आंखों की रोशनी बढ़ाने के लिए इन ड्रिंक्स का सेवन भी कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य -096

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. समासि, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

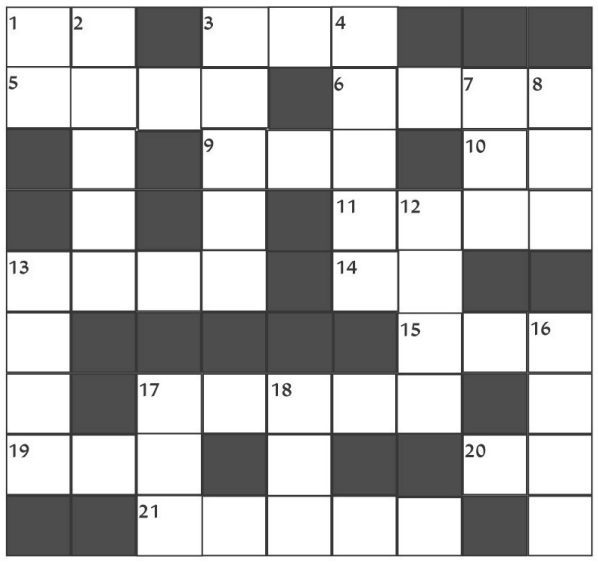

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 95 का हल

वा	स्ता			सि	स	की		
जि		ल	प	ट		मा	चि	स
ब	द	ला		क			ल	
		ट		नी	ल	क	म	ल
ता	ली		का		की			हू
क		स	रो	का	र			लु
झां		ज	बा	न		म	सी	हा
क	च	ना	र		भा	र्या		न
	र्म			ज	र	दा		

खतरनाक है शांतनु और तान्या की टूथ परी का ट्रेलर

ओटीटी प्लेटफॉर्म पर बहुत से व्यूअर्स वैम्पायर हॉरर वेबसीरीज का बहुत दिल से वेट करते हुए नजर आते हैं। इस तरह के तमाम दर्शकों के लिए तान्या मानिकतला और शांतनु महेश्वरी अभिनीत वैम्पायर हॉरर सीरीज टूथ परी का ट्रेलर आउट कर दिया गया है। सीरीज के ट्रेलर को व्यूअर्स काफी पसंद कर रहे हैं। इस सीरीज में दर्शकों को एक कॉमन मैन की वैम्पायर के साथ लवस्टोरी को दिखाया जाएगा।

आने वाली वेबसीरीज के ट्रेलर को तान्या मानिकतला ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। सीरीज के ट्रेलर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने लिखा कि ट्विस्टेड लव, सीक्रेट वर्ल्ड, वैम्पायर और इंसानों का प्यार।

ट्रेलर के शुरुआती हिस्से में शांतनु मुखर्जी और तान्या मानिकतला एक कॉमन मैन के रूप में नजर आते है। हालांकि जैसे-जैसे ट्रेलर आगे बढ़ता है, वैसे ही तान्या मानिकतला का वैम्पायर का रूप सामने आ जाता है। सीरीज में शांतनु मुखर्जी एक डॉक्टर के रोल में तो वहीं तान्या मानिकतला वैम्पायर टूथ परी वैम्पायर के किरदार में दिखेंगी।

सीरीज का ट्रेलर देखने से समझा जा सकता है कि इसमें दर्शकों को एक फीमेल वैम्पायर की बहुत ही जबरदस्त लवस्टोरी देखने को मिलने वाली है, जो अपने प्यार के लिए जंग करती हुई नजर आएगी। सीरीज के ट्रेलर में बहुत ही शानदार ढंग से वैम्पायर की दुनिया को भी दिखाया गया है। वैम्पायर वेबसीरीज को पसंद करने वालों के लिए ये सीरीज बहुत अच्छा ऑप्शन बन सकती है।

प्रीतम डी गुप्ता के द्वारा डायेक्ट टूथ परी को ओटीटी व्यूअर्स के लिए 20 अप्रैल को नेटफ्लिकस पर रिलीज किया जाएगा। अब ये देखना दिलचस्प रहेगा कि इस वैम्पायर हॉरर वेबसीरीज को दर्शकों का कितना प्यार मिलता है।

वाणी कपूर ने किया पहली सीरीज मंगला मर्डर्स का ऐलान

फिल्म चंडीगढ़ करे आशिकी के साथ सिल्वर स्क्रीन पर एक ट्रांसजेंडर किरदार को शानदार ढंग से निभाने के लिए आलोचकों की प्रशंसा जीतने के बाद, बॉलीवुड एक्ट्रेस वाणी कपूर अब मंडला मर्डर्स नामक अपनी पहली वेब सीरीज के साथ ओटीटी स्पेस में भी तूफान लाने को तैयार हैं। आज ही एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से अपने आने वाले प्रोजेक्ट के पहले लुक को शेयर किया है।

दरअसल, अपनी आने वाली वेब सीरीज को ग्रेट क्राइम थ्रिलर बताते हुए वाणी ने लिखा, मेरे डेब्यू ओटीटी शो के लिए किल करने लिए जा रही हूं !! आप अनुमान लगा रहे हैं! म मदाला मर्डर्स को चलाने के लिए एक्साइटेड - एक गंभीर अपराध थ्रिलर जो आपको अनुमान लगाता रहेगा !। इस सीरीज में वाणी कपूर के साथ गुल्लक फेम अभिनेता वैभव राज गुप्ता भी मुख्य भूमिका में हैं।

आपको बता दें कि, वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी मदाला मर्डर्स का निर्देशन मर्दानी 2 के निर्देशक गोपी पुथरान कर रहे हैं। मनन रावत, जो पहले वाईआरएफ की कई फिल्मों में एक सहयोगी निर्देशक के रूप में काम कर चुके हैं, सीरीज का सह-निर्देशन करेंगे। वाणी और वैभव के अलावा, सीरीज में अभिनेता, सुवरीन चावला और जमील खान भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

सास बहू और फ्लेमिंगो का टीजर आउट

ओटीटी लवर्स के लिए आज हम एक खुशखबरी लेकर आए हैं। बता दें कि, जिस सीरीज का फर्स्ट लुक देख फैंस काफी एक्साइटेड थें, उसको लेकर मेकर्स ने एक और खुलासा किया है। बता दें कि, आने वाली होमी अदजानिया की डिज्नी प्लस हॉटस्टार सीरीज सास बहू और फ्लेमिंगो का पहला टीजर जारी किया गया है। डिपंल कपाडिया का ये आने वाला शो सामान्य सास-बहू की कहानी को पेश करता है।

आपको बता दें कि, टीडर वीडियो एक परिचित लहजे में शुरू होती है, जिसके बैकग्राउंड में एकता कपूर का टाइटल सॉन्ग क्योंकि सास भी कभी बहू थी बज रहा है। डिंपल कपाड़िया के घर में चीजें आनंदमय लगती हैं क्योंकि वह आरती और विभिन्न अनुष्ठान करती हैं, और घर की महिलाएं गरबा खेलती हैं। हालाँकि, बहुत जल्द हम एक्ट्रेस का एक अलग अवतार में देखते हैं जब वह राइफल पकड़ लेती हैं।

क्लिप को सोशल मीडिया पर एक कैप्शन के साथ साझा किया गया था जिसमें लिखा था, चेतावनी- ये कमजोर दिल वालों के लिए नहीं है! कृपा न देखें। क्यों? क्योंकि एक्साइटेड फैंस कमेंट करने के लिए दौड़ पड़े, एक यूजर ने लिखा, सास बहू वैकल्पिक ब्रह्मांड में। एक अन्य ने कहा, वाह, मैंने अभी क्या देखा। एक यूजर ने कमेंट किया, गाना और ये वीडियो, लोल।

इस वेब सीरीज की कास्ट के बारे में बात करें तो, इस सीरीज में डिंपल कपाड़िया, राधिका मदान, अंगिरा धर, ईशा तलवार, दीपक डोबरियाल और मोनिका डोगरा सहित अन्य प्रमुख भूमिकाओं में दिखाई देने वाले हैं। यह सीरीज 5 मई को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होने जा रही है।

किक-बॉक्सिंग ने मुझे हंटर में एक्शन सीक्वेंस करने में की मदद : ईशा देओल

बॉलीवुड अभिनेत्री ईशा देओल ने वेब सीरीज हंटर- टूटेगा नहीं तोड़ेगा में दिव्या के किरदार को निभाते हुए अपना बेस्ट देने में कोई कसर नहीं छोड़ी है।

उन्होंने शो की शूटिंग के हर पल का आनंद लिया और कुछ यादें साझा कीं, जो उनके लिए रोमांचकारी और यादगार हैं।

एक्ट्रेस ने कहा: मैंने किक-बॉक्सिंग की काफी प्रैक्टिस की, जिससे मुझे एक्शन सीन को करने में काफी मदद मिली। इसके अलावा, मैंने अपने एक्शन सीन के आउटपुट को बढ़ाने के लिए नॉन-कॉम्बैट एक्शन ट्रेनिंग शुरु की। इसके अलावा, लुक में भी बदलाव किया गया, क्योंकि जिसका मैं किरदार निभा रही हूं, वह एक आम लड़की नहीं है, वह एक मिशन पर है, इसलिए लुक बेहद जरुरी हैं।

ईशा, जिन्होंने कोई मेरे दिल से पूछे से अभिनय की शुरूआत की, और बाद में धूम, काल, दस और नो एंट्री में काम किया, ने सेट के कुछ पल साझा किए।

उन्होंने कहा हमने धोबी घाट में शूटिंग की, एक ऐसी जगह जहां मैं आमतौर पर नहीं जाती, इसलिए छत पर चलना और वहां से मुंबई को देखना रोमांचक था। मेरे लिए हंटर के सेट पर हर दिन अद्भुत रहा। एनर्जी भरपूर थी, और हर कोई एक्टिव था।

इस शो में एसीपी विक्रम सिन्हा के रूप में सुनील शेट्टी, दिव्या (फ्रीलांस जर्नलिस्ट) के रूप में ईशा देओल, पुलिस एसएचओ हुड्डा के रूप में राहुल देव, बरखा बिष्ट, करणवीर शर्मा, मिहिर आहूजा, टीना सिंह, चाहत तेजवानी, सिद्धार्थ खेर, गार्गी सावंत, स्मिता जयकर और पवन चोपड़ा के साथ हैं।

उल्का गुप्ता ने खतरों के खिलाड़ी 13 से किया किनारा

स्टंट बेस्ड रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' जल्द ही दस्तक देने वाला है। शो को लेकर आए दिन अपडेट्स आ रहे हैं। कुछ सितारों के नाम कंटेस्टेंट्स लिस्ट में कंफर्म बताए जा रहे हैं तो कुछ के ऑफर ठुकराने की बात सामने आ रही है। अब खबर है कि एक और टीवी एक्ट्रेस ने 'खतरों के खिलाड़ी 13' को मना कर दिया है।

'झांसी की रानी' फेम उल्का गुप्ता को 'खतरों के खिलाड़ी 13' से ऑफर मिला था और यहां तक कि वह खुद भी इस शो का हिस्सा बनना चाहती थीं, लेकिन उन्हें मजबूरी में शो को मना करना पड़ा। एक्ट्रेस ने ईटाइम्स को दिए लेटेस्ट इंटरव्यू में इसकी पुष्टि की है। उल्का ने कहा, हां, मुझे 'खतरों के खिलाड़ी' का ऑफर मिला था, लेकिन डेट की इश्यू की वजह से मैं ये नहीं कर सकती, लेकिन फ्यूचर में मैं इस शो का हिस्सा बनना चाहूंगी।

उल्का गुप्ता ने आगे कहा, मुझे एक्शन पसंद है। मैं देखना चाहती हूं कि मैं सारे टास्क कर पाऊंगी या नहीं। मेरी जिंदगी में फिटनेस बहुत जरूरी है। मैं हर दिन वर्क आउट करती हूं। मैं अपने खुद के टार्गेट्स बनाती हूं। बता दें कि उल्का से पहले प्रियंका चाहर चौधरी के शो ठुकराने की खबर सामने आई थी। खैर, आखिरी बार उल्का को 'बन्नी चाउ होम डिलीवरी' में देखा गया था।

रोहित शेट्टी द्वारा होस्ट किए जाने वाला 'खतरों के खिलाड़ी 13' की शूटिंग जल्द ही अर्जेंटीना में शुरू होगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शो को 17 जुलाई 2023 से टेलीकास्ट किया जाएगा। कंटेस्टेंट्स की लिस्ट में अर्चना गौतम, सौंदर्या शर्मा, मुनव्वर फारूकी, अंजलि अरोड़ा, शिव ठाकरे जैसे स्टार्स का नाम सामने आ रहा है। फिलहाल, अभी डेट और कंटेस्टेंट्स की लिस्ट कंफर्म नहीं है।

रानी मुखर्जी मर्दानी 3 के साथ करेंगी वापसी

बॉलीवुड इंडस्ट्री की चहीती एक्ट्रेस रानी मुखर्जी की हालिया रिलीज फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे' बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई है। इस फिल्म में रानी ने एक ऐसी मां की भूमिका निभाई, जो अपने बच्चे की कस्टडी पाने के लिए हर मुश्किल से लड़ जाती है। वहीं, रानी ने अपने लेटेस्ट इंटरव्यू में इस फिल्म को लेकर बात की है। साथ ही अपनी सुपरहिट मूवी 'मर्दानी' की फ्रेंचाइजी 'मर्दानी 3' पर भी बड़ा अपडेट देती नजर आई हैं। गौरतलब हो कि 'मर्दानी' में रानी मुखर्जी ने पुलिस आफिसर की भूमिका निभाई थी।

इस फिल्म में उनके हटके किरदार को दर्शकों ने खूब सराहा और मूवी फ्रेंचाइजी को काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। वहीं, अब लेटेस्ट इंटरव्यू में रानी ने 'मर्दानी 3' पर बात की है। दरअसल, एक्ट्रेस से पूछा गया कि क्या वह फिर से पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाना पसंद करेंगी। तो इस पर रानी ने कहा जरूर लेकिन उसके लिए आकर्षक कहानी होनी चाहिए। रानी मुखर्जी ने मर्दानी फ्रेंचाइजी को लेकर कहा, हां, मैं वास्तव में वापस से शिवानी शिवाजी रॉय का रोल निभाना चाहती हूं। लेकिन यह सब स्टोरीलाइन और स्क्रिप्ट पर निर्भर करता है और अगर हमें तीसरी किस्त के साथ जाने के लिए एक बहुत ही दिलचस्प कहानी मिलती है, तो मुझे लगता है कि शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में वापस आना आकर्षक होगा क्योंकि मुझे भी इस भूमिका को निभाने में बहुत मजा आता है।

रानी मुखर्जी ने स्क्रिप्ट के चयन पर अपनी बात रखते हुए कहा, मुझे लगता है। मैं दुनिया भर के सिनेमाघरों को देखती हूं- क्या आ रहा है और लोग किस तरह का काम कर रहे हैं। हमेशा उन फिल्मों और कहानियों से जुड़ना चाहूंगी जो मुझे लगता है कि लोगों को पता होनी चाहिए। यह मेरा मानदंड है और यह बार-बार नहीं आता है। समय लगता है। इसलिए जितना समय मैं अपनी अगली फिल्म के लिए निर्णय लेने में लेती हूं, उतना ही समय किसी को कहानी के साथ आने में भी लगता है।

कांग्रेस के प्रति कोई ममता नहीं नाम में जो रखा है

शंकर जालान

कहावत प्रचलित है-'गुड़ खाए, लेकिन गुलगुले से परहेज'। राहुल गांधी और राष्ट्रीय कांग्रेस को लेकर इन दिनों कुछ ऐसा ही चल रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ दिए गए बयान के बाद राहुल गांधी की लोक सभा की सदस्यता रद्द कर दी गई, इसे लेकर कांग्रेस समेत तमाम गैर-भाजपाई दल भले ही मोदी सरकार को आड़े हाथों लेते हुए राहुल के साथ खड़े दिख रहे हों, बावजूद इसके ज्यादातर क्षेत्रीय दलों विशेषकर तृणमूल कांग्रेस को आगामी लोक सभा चुनाव में कांग्रेस का साथ मंजूर नहीं है।

ऐसे में लाख टके का सवाल है कि इस तरह के बिखराव के बीच क्या 2024 में भाजपा को परास्त किया जा सकेगा।

कांग्रेस को अलग रखकर गठबंधन की जो सुगबुगाहट शुरू हुई है, क्या वह साकार हो पाएगी? देश का अगला प्रधानमंत्री बनने का सपना देख रहीं अग्निकन्या के नाम से मशहूर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी क्या सचमुच में ऐसा कर पाएंगी? राहुल का समर्थन, लेकिन कांग्रेस को दरकिनार कर तमाम राजनीतिक दल विशेषकर ममता अपनी राजनीति में सफल हो पाएंगी? कभी अकेले चुनाव लड़ने, अभी भाजपा और कांग्रेस से अलग मोर्चा बनाने जैसी घोषणाओं के पीछे आखिर, ममता की क्या मजबूरी है, या ममता बार-बार और इतनी जल्दी-जल्दी बयान क्यों पलट रही हैं।

इसे लेकर जहां राजनीति के पंडित माथापच्ची कर रहे हैं, वहीं भाजपा राहत की सांस ले रही है क्योंकि भाजपा के केंद्रीय नेताओं या कहें कि रणनीतिकारों को भली-भांति ज्ञात है कि विपक्ष विशेषकर ममता जितना रंग बदलेंगी, भाजपा के लिए 2024 की राह उतनी ही सहज होगी। बताते चलें कि जिस मुद्दे पर राहुल को लोक सभा की सदस्यता से हाथ धोना पड़ा है, उसी तरह के मुद्दे को उछाल कर तृणमूल कांग्रेस अब प्रधानमंत्री मोदी को न केवल कठघरे में खड़ा करना चाहती है, बल्कि उनकी (प्रधानमंत्री) की सदस्यता रद्द करने की मांग भी कर रही है। तृणमूल का तर्क है कि जब प्रधानमंत्री के लिए अपमानजनक या हास्यास्पद शब्द बोलने पर राहुल को सजा सुनाई जा सकती है, तो फिर ममता बनर्जी के लिए 'दीदी-ओ-दीदी' जैसी व्यंग्यात्मक टिप्पणी के लिए प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को क्यूं नहीं ?

पच्चीस मार्च के पहले तक ममता कहती थीं कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सबसे बड़ी 'टीआरपी' हैं, लेकिन अदालत ने जैसे ही राहुल गांधी खिलाफ फैसला सुनाया, ममता एकाएक राहुल के पक्ष में बोलने और केंद्र सरकार खासकर नरेन्द्र मोदी को घेरने लगीं। सवाल उठ रहा है कि ममता ने अचानक पलटी क्यों मारी? क्या सचमुच में ममता राहुल के साथ खड़ी हैं? अगर हां, तो फिर ममता को उस कांग्रेस से परहेज क्यों है, जिसने उन्हें पहली बार सांसद और केंद्रीय मंत्री बनने का अवसर प्रदान किया था? या फिर क्या ममता राहुल के बहाने 2024 की गोटी सजाने में लगी हैं। जानकारों के एक पक्ष का मत है कि राहुल का मुद्दा उछाल कर ममता बताने की कोशिश कर रही हैं कि मोदी सरकार के इशारे पर विपक्षी दलों के नेताओं के साथ लगातार गलत हो रहा है। वहीं दूसरे पक्ष का कहना है कि ममता के सामने फिलहाल विपक्ष का प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि अपने घर यानी पश्चिम बंगाल को बचाना उनकी सबसे बड़ी चुनौती है।

कहना गलत नहीं होगा कि अगले आम चुनाव में सूबे में तृणमूल कांग्रेस की राजनीतिक हैसियत दांव पर होगी और इसकी वजह राज्य में भाजपा का बढ़ता जनाधार तो है ही, साथ ही कांग्रेस और वाम मोर्चा की बढ़ती लोकप्रियता भी है। सागरदिघी उपचुनाव में दोनों (कांग्रेस और वाम मोर्चा) ने तृणमूल कांग्रेस को पटखनी दी है, शायद इसीलिए ममता राहुल के साथ तो जरूर दिख रही हैं, लेकिन कांग्रेस के साथ बिल्कुल नहीं। राहुल की संसद की सदस्यता रद्द किए जाने के फैसले के बाद विपक्ष के कई नेता राहुल गांधी के समर्थन में उतरे तो भाजपा के नेताओं ने कहा कि सब कुछ कानून के मुताबिक हुआ है।

ममता बनर्जी देश के कई नेताओं के साथ मिलकर तीसरे मोर्चे को मजबूत बनाने के लिए काम कर रही हैं। इस क्रम में उन्होंने हाल में समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव से भी मुलाकात की थी। सपा प्रमुख ने आने वाले दिनों में विपक्षी गठबंधन के आकार लेने का भरोसा जताते हुए कहा कि 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ लड़ाई में क्षेत्रीय पार्टियां महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। हालांकि, इस प्रस्तावित विपक्षी मोर्चे में कांग्रेस की भूमिका पर अखिलेश ने कहा कि कांग्रेस को तय करना है कि वह कहां रहे। उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस राष्ट्रीय पार्टी है, और हम क्षेत्रीय दल। राहुल और कांग्रेस के मसले को लेकर ममता पर यह कहावत बिल्कुल सटीक बैठती है-'गुड़ खाए, लेकिन गुलगुले से परहेज'।

यह चीन भी जानता है कि उसके कुछ स्थानों के नाम बदल देने से अरुणाचल प्रदेश की स्थिति में वास्तव में कोई बदलाव आने नहीं वाला है। इसके बावजूद वह ऐसा करता है, तो इसके पीछे उसकी सोची-समझी रणनीति है।

भारत ने यह उचित कहा है कि अरुणाचल प्रदेश में 11 जगहों के नाम बदलने के चीन के एलान से हकीकत में कुछ नहीं बदलेगा। भारत के इस बयान भी सटीक है कि अरुणाचल प्रदेश भारत का हिस्सा है और रहेगा। इसके बावजूद नाम बदलने की घटना को हलके से लेना ठीक नहीं होगा। यह चीन भी जानता है कि उसके कुछ स्थानों के नाम बदल देने से अरुणाचल प्रदेश की स्थिति में वास्तव में कोई बदलाव आने नहीं वाला है। इसके बावजूद वह ऐसा करता है, तो इसके पीछे उसकी सोची-समझी रणनीति है। इसके जरिए वह इस प्रदेश पर अपना दावा गरम रखना चाहता है। इसका इस्तेमाल वह भारत से सीमा विवाद पर होने वाली वार्ता में सौदेबाजी के तौर पर करेगा। कुछ रोज पहले चीन की तरफ से एक बयान आया था, जिसमें कहा गया कि लद्दाख इलाके में तीन साल पहले सीमा पर जो अस्थिरता बनी थी, वह अब दूर हो गई है। यानी चीन यह मान रहा है कि लद्दाख की तरफ अब कोई समस्या नहीं है।

इसलिए वह सीमा के पूर्वी तरफ स्थिति को गरमा रहा है। पश्चिम में उठे विवाद पर भारत सरकार मजबूती दिखाने में विफल रही। यहां तक कि प्रधानमंत्री ने यह कह दिया कि सीमा पर कोई घुसपैठ नहीं हुई है। इससे चीन का काम आसान हो गया। लेकिन उससे चीन के इरादे शांत नहीं हुए। चीन का मनोबल विदेश मंत्री के इस बयान से भी बढ़ा हो सकता है कि अपेक्षाकृत कमजोर अर्थव्यवस्था वाला भारत मजबूत चीन से युद्ध नहीं कर सकता। तो अब अरुणाचल में उसका असर देखने को मिला है। चीन ने अरुणाचल प्रदेश में 11 भौगोलिक रचनाओं के चीनी नामों की घोषणा की है। चीन अरुणाचल को तिब्बत का दक्षिणी हिस्सा 'जांगनान' कहता है और उसे अपना हिस्सा मानता है। प्रदेश को लेकर चीन की यह तीसरी सूची है। चीन सरकार ने इस तरह के छह स्थानों के चीनी नामों की सूची पहली बार 2017 में जारी की थी। कुल मिलाकर चीन अभी तक इस तरह अरुणाचल के 32 स्थानों की चीनी नामों की सूची जारी कर चुका है। (आरएनएस)

सू- दोकू क्र.096

	2			6			1	
3			4			2		
							6	
6					4			
	9		5			6		1
4		3			9			2
	8		2				7	
1		2		4		9		6

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 95 का हल

8	7	6	9	5	1	2	3	4
1	3	9	2	8	4	5	6	7
4	5	2	3	7	6	9	1	8
2	8	5	4	6	7	1	9	3
3	1	7	8	9	2	4	5	6
6	9	4	1	3	5	7	8	2
9	4	1	6	2	8	3	7	5
7	2	8	5	1	3	6	4	9
5	6	3	7	4	9	8	2	1

यूपीए रहेगा या कोई नया मोर्चा बनेगा?

विपक्षी पार्टियां अगर लोकसभा चुनाव के लिए एकजुट होती हैं तो वह एकजुटता किस बैनर के तले होगी? कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूपीए में ही सभी पार्टियां शामिल होंगी या लोकसभा चुनाव के लिए कोई अलग मोर्चा बनेगा? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि कई पार्टियों को कांग्रेस के साथ यूपीए में शामिल होने में आपत्ति है। इतना ही नहीं कई ऐसी पार्टियां हैं, जो अब भी कांग्रेस के साथ गठबंधन में हैं लेकिन उस गठबंध को यूपीए नहीं कहा जाता है। इसलिए कुछ क्षेत्रीय नेता संयुक्त मोर्चा या राष्ट्रीय मोर्चा की तर्ज पर अलग मोर्चा बनाने की बात कर रहे हैं, जिसमें कांग्रेस भी एक घटक दल हो।

अभी जो यूपीए है वह 2004 के लोकसभा चुनाव के समय बना था और उसकी कमान तभी से कांग्रेस के हाथ में है। इसमें कांग्रेस के पुराने सहयोगी घटक दल के रूप में शामिल हैं। लेकिन कई राज्यों में इससे अलग मोर्चा भी बना है। जैसे बिहार में लालू प्रसाद की पार्टी राष्ट्रीय जनता दल यूपीए का घटक दल है, लेकिन नीतीश कुमार की पार्टी जदयू यूपीए में शामिल नहीं है। इसलिए बिहार में सरकार बनाने के लिए जो गठबंधन बना उसे महागठबंधन का नाम दिया गया। उसमें राजद और कांग्रेस के साथ साथ जदयू, सीपीआई, सीपीएम, सीपीआई एमएल, हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और विकासशील इंसान पार्टी शामिल हैं। ध्यान रहे लेफ्ट की तीनों पार्टियां और हम व वीआईपी भी यूपीए के घटक नहीं हैं। इसी तरह महाराष्ट्र में शरद पवार की पार्टी एनसीपी यूपीए का घटक दल है लेकिन शिव सेना का उद्धव ठाकरे गुट अभी यूपीए में शामिल नहीं हुआ है। इसलिए वहां जब ये तीनों पार्टियां एक साथ आईं तो उनके मोर्चे को महा विकास अघाड़ी यानी एमवीए का नाम दिया गया। वह एमवीए अब भी है। जम्मू कश्मीर में विधानसभा भंग होने से पहले 2018 में राज्य की दोनों प्रादेशिक पार्टियों- पीडीपी और नेशनल कांफ्रेंस ने कांग्रेस के साथ मिल कर सरकार बनाने की पहल की थी। लेकिन तब भी वे पार्टियां यूपीए में शामिल नहीं हुईं। बाद में 2019 में जब अनुच्छेद 370 समाप्त हुआ और राज्य के नेता नजरबंद किए गए तो नजरबंदी समाप्त होने के बाद वहां गुपकर एलायंस नाम से एक गठबंधन बना। इसके अलावा कई ऐसी पार्टियां हैं, जिनके साथ तालमेल करके अलग अलग राज्यों में कांग्रेस ने चुनाव लड़ा लेकिन वो पार्टियां यूपीए में शामिल नहीं हुईं। जैसे उत्तर प्रदेश में कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का 2017 के चुनाव में तालमेल हुआ था। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में सीपीएम और कांग्रेस मिल कर चुनाव लड़े थे। लेकिन यह तय है कि कम्युनिस्ट पार्टियां यूपीए में शामिल नहीं होंगी। तभी इस बात को लेकर चर्चा हो रही है कि यूपीए की बजाय एक अलग मोर्चा बने।(आरएनएस)

पिंक आउटफिट में कहर बरपाती नजर आई अदिति बुधाथोकी

इन दिनों जयपुर में अपनी छुट्टियां एंजॉय कर रही एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी बेहद ही स्टाइलिश पोज देती नजर आ रही हैं। उनकी ग्लैमरस तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो जाती हैं। पिंक कलर के आउटफिट में स्विमिंग पूल के किनारे एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी बेहद ही ग्लैमरस और बोल्ड पोज देती नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया के साथ ही एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी पंजाबी और भोजपुरी फिल्मों में भी अपने हुस्न का जलवा बिखेर चुकी हैं। एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी सोशल मीडिया पर अपनी निजी और प्रोफेशनल तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वहीं, फैंस उनकी तस्वीरों पर बेशुमार प्यार लुटाते हैं। अदिति बुधाथोकी अपने अतरंगी रूपों के कारण अक्सर सुर्खियों का विषय बनी रहती हैं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर कहर बरपाती रहती हैं। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी की ग्लैमरस अदाएं फैंस के दिलों पर कहर बरपाती रहती हैं। फैंस एक्ट्रेस की तस्वीरों का बेसब्री से इंतजार करते रहते हैं। वहीं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर आते ही तेजी से वायरल हो जाती हैं। एक्ट्रेस अदिति बुधाथोकी ने लेटेस्ट तस्वीरों में अपनी ऐसी किलर स्माइल दी, जिसे देखकर फैंस भी अपना दिल हार बैठे हैं। अदिति बुधाथोकी अपने ग्लैमरस और बोल्ड अंदाज से फैंस को दीवाना बनाने का हुनर बखूबी जानती हैं।

स्व.बहुगुणा की एमडीडीए कॉम्पलेक्स में मनाई जन्म शताब्दी

नगर संवाददाता

देहरादून। स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा की जन्म शताब्दी पूर्व विधायक विजय पाल सजवाण, राजकुमार एवं पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा द्वारा एमडीडीए कॉम्पलेक्स में मनाई गयी।

इस अवसर पर पूर्व विधायक विजयपाल सजवाण ने कहा कि स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा एक ऐसे क्रांतिकारी देशभक्त थे, जो सामाजिक न्याय, सांप्रदायिक सद्भावना और राष्ट्रीय गौरव के लिए सदैव प्रयासरत रहते थे। उन्हें देश की राजनीति, आर्थिक, सामाजिक तथा सुरक्षा संबंधी विषयों पर गहरा ज्ञान था। पूर्व विधायक राजकुमार ने कहा कि स्वर्गीय हेमवती नंदन बहुगुणा को सांप्रदायिक सद्भाव, जाति एवं वर्ग संघर्ष की सूक्ष्म परख थी। देश के हित में इन सभी के बीच सामंजस्य कैसे बनाए रखें, इस विषय पर उनकी प्रभावशाली एवं स्पष्ट सोच थी। पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद देश के पहले चुनाव 1952 में वे उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य निर्वाचित हुए। इसके बाद भारतीय राजनीति में वे एक चमकते हुए सितारे की भांति उभरे। उत्तर प्रदेश के पर्वतीय क्षेत्र के समग्र विकास के लिए उन्होंने पर्वतीय विकास मंत्रालय बनाया। पर्वतीय क्षेत्रों में कार्यरत सारे विभाग इस मंत्रालय के अधीन कर दिए। उन्होनें कहा कि समृद्ध ज्ञान क्षमता, अटल व दृढ़ निश्चयी एवं मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण उनका विराट व्यक्तित्व आज भी हर किसी को नतमस्तक होने के विवश कर देता। इसलिए उन्हें हिमालय पुत्र कहा जाता है। इस अवसर पर राजकुमार, विजयपाल सजवान,अर्जुन सोनकर,अजय बेनवाल,नागेश रतूड़ी ,दिनेश नैथानी ,अशोक कोहली ,सुनील बांगा सहित कई लोग उपस्थित रहे।

15 लीटर कच्ची शराब सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। कच्ची शराब कारोबार का पर्दाफाश करते हुए पुलिस ने खेत में बनाई गयी 10 लीटर कच्ची शराब, भट्टी व शराब बनाने के उपकरण बरामद किये है। पुलिस ने मौके से 2000 लीटर लाहन भी नष्ट कर दिया है। हालांकि इस दौरान कच्ची शराब कारोबारी फरार होने में सफल रहा जिसे बाद में गिरफ्तार किया गया है। वहीं एक अन्य मामले में पुलिस ने एक व्यक्ति को 5 लीटर कच्ची शराब सहित गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार बीते रोज कोतवाली लक्सर पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र के ग्राम 'रंजीतपुर भीकमपुर ' स्थित खेत में कुछ लोग भट्टी लगाकर अवैध कच्ची शराब बनाये जाने का कारोबार कर रहे है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने ग्राम रंजीतपुर भीकमपुर के खेत में छापा मारकर कच्ची शराब बनाने की भट्टी व उपकरण सहित 10 लीटर कच्ची शराब बरामद की गयी थी व मौके पर करीब 2000 लीटर लाहन नष्ट किया गया था। मौके से आरोपी सूरज पुत्र आनंद निवासी रंजीतपुर भीकमपुर थाना कोतवाली लक्सर फरार होने में सफल रहा जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं दूसरी ओर एक सूचना के बाद पुलिस ने चरण सिंह उर्फ पंजाब पुत्र कल्लन निवासी कुआं खेड़ा थाना लक्सर जनपद हरिद्वार को 5 लीटर कच्ची शराब के साथ कुआं खेड़ा ट्यूबेल के पास से गिरफ्तार किया है। जिन्हे न्यायालय में पेश कर दिया गया है।

शराब के ठेकों पर ओवर रेटिंग का चल.. ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

भी होती रहती है लेकिन अधिकारी इस तरफ कोई ध्यान देने को तैयार नहीं है। यहां एक बात और है कि अगर कोई व्यक्ति शराब की दुकान पर ओवर रेटिंग का विरोध करता है तो उसके साथ अभद्रता के साथ-साथ मारपीट भी की जाती है। वह अगर स्थानीय पुलिस के पास जाता है तो पुलिस भी उसी को दोषी मानते हुए उसको वहां से भगा देती है। अब सोचने वाली बात यह है कि इन शराब कारोबारियों की ओवर रेटिंग को कौन रोकेगा। आबकारी विभाग इनके सामने नत-मस्तक है, अधिकारी किसी की सुनने को तैयार नहीं और स्थानीय पुलिस को तो यह अपनी जेब में रखे होने का दावा करते हैं तो फिर कौन बचा जोकि आम जन मानस को इस ओवर रेटिंग से निजात दिला सकता है। यह खेल खुलेआम चला आ रहा है जिला प्रशासन और पुलिस इनको कुछ कहने से शायद डरते हैं?

सीएम धामी पहुंचे अल्मोड़ा, चितई में ग्वल देवता का लिया आशीर्वाद

हमारे संवाददाता

अल्मोड़ा। प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी अल्मोड़ा पहुंच चुके हैं। उन्होंने यहां चितई मंदिर के दर्शन कर भगवान ग्वल ज्यू महाराज का आशीर्वाद लिया।

आज सीएम धामी केदारनाथ से प्रस्थान कर सुबह हेलिकाप्टर से पेटशाल पहुंचे। जहां से सर्वप्रथम वह सीधा चितई स्थित ग्वल देवता के मंदिर गये। यहां उन्होंने न्याय के देवता ग्वल का आशीर्वाद लिया। जिसके बाद वह सर्किट हाउस अल्मोड़ा के लिए रवाना हो गए।

सीएम पुष्कर सिंह धामी का प्रमुख कार्यक्रम आज हेमवती नंदन बहुगुणा अल्मोड़ा स्टेडियम में है। यहां वह स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी एवं पूर्व मुख्यमंत्री स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा की 104वीं जयन्ती समारोह में हिस्सा लेंगे। जिसके बाद जनसेवा आधारित बहुउद्देशीय शिविर एवं कृषक महोत्सव में प्रतिभाग करेंगे। अपराह्न 4 बजे मुख्यमंत्री कार्यक्रम स्थल से प्रस्थान कर 4:10 बजे आर्मी हैलीपैड पहुंचकर देहरादून के लिए प्रस्थान करेंगे।

सीएम धामी ने कहा कि आज भगवान केदारनाथ के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खुल गए हैं। उन्होंने चार धाम यात्रा के सफल एवं निर्विध्न रूप से संचालन हेतु न्याय प्रिय देवता गोलू देव से प्रार्थना की।

इस दौरान उन्होंने राज्य की उन्नति एवं समृद्धि के लिए मंदिर में घंटी एवं पत्र भी चढ़ाया। इस दौरान सांसद अजय टम्टा, पूर्व विधानसभा उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष बीजेपी कैलाश शर्मा, डीसीबी चेयरमैन ललित लटवाल, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा रवि रौतेला समेत अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता, जिलाधिकारी वंदना, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रचिता जुयाल, उपजिलाधिकारी गोपाल सिंह चौहान समेत अन्य कई लोग उपस्थित रहे।

महिला से छेडछाड व मारपीट करने पर केस दर्ज

देहरादून (सं)। घर में घुसकर महिला के साथ छेडछाड करने व विरोध करने पर मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कुंजा ग्रान्ट निवासी महिला ने विकासनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि विकासनगर निवासी सहवाज पुत्र युसुफ अपने साथ साबजाद व मन्नू को लेकर उसके घर में घुस आया और उसके साथ छेडछाड करने लगा उसने जब उसका विरोध किया तो उन तीनों ने उसके साथ मारपीट कर घर में तोडफोड कर उसको जान से मारने की धमकी देकर वहां से चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग भगवान केदारनाथ..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड की चारधाम यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव प्रयास किये गये हैं। समाजिक संगठनों, स्वयं सेवी संस्थाओं का भी यात्रा के लिए पूरा सहयोग मिल रहा है। उन्होने कहा कि पिछले वर्षों के अनुभवों के आधार पर यात्रा व्यवस्थाओं को आगे बढ़ाने का कार्य किया गया है। उन्होंने बाबा केदार के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं से अपील की है कि मौसम की जानकारी लेकर बाबा केदार के दर्शन लिए आयें, ताकि किसी को भी मौसम की वजह से कोई असुविधा न हो। उन्होने बताया कि गंगोत्री एवं यमुनोत्री धाम में यात्रा सुचारू रूप से चल रही है। 27 अप्रैल को भगवान बद्री विशाल के कपाट भी श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खुल जायेंगे।

इस अवसर पर श्री बद्रीनाथ केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अजेन्द्र अजय, विधायक केदारनाथ शैला रानी रावत , जिला पंचायत अध्यक्ष अमरदेई शाह, जिला अध्यक्ष भाजपा महावीर पंवार, पूर्व अध्यक्ष भाजपा दिनेश उनियाल, जिलाधिकारी मयूर दिक्षित, पुलिस अधीक्षक सुश्री विशाखा अशोक भदाणे, मुख्य कार्याधिकारी केदारनाथ योगेंद्र सिंह एवं श्रद्धालु मौजूद थे।

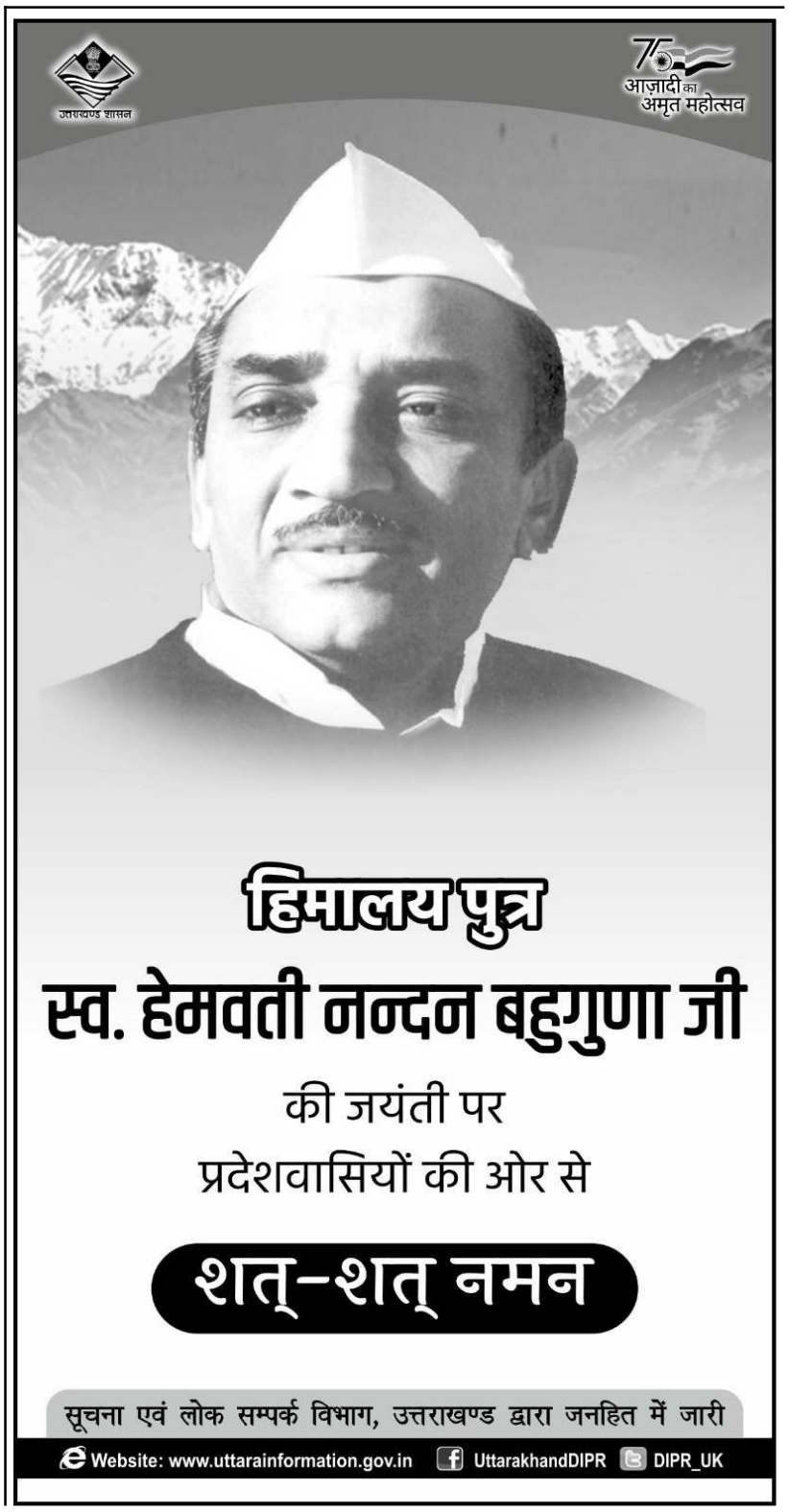

एक नजर

कॉमन सिविल कोड का ड्राफ्ट तैयार

विशेष संवाददाता

देहरादून/नई दिल्ली। उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता (कॉमन सिविल कोड) का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है। यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने वाली कमेटी की एक अहम बैठक आज दिल्ली स्थित उत्तराखंड भवन में सेवानिवृत्त जज डॉक्टर रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में हुई जिसमें ड्राफ्ट को अंतिम रूप दिए जाने पर विचार मंथन किया गया।

उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिनों में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा राज्य में कॉमन सिविल कोड कानून लागू करने की घोषणा की गई थी। जिसके बाद दोबारा मुख्यमंत्री का पद संभालने के बाद पुष्कर सिंह धामी द्वारा यूसीसी का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए तीन सदस्यीय कमेटी का गठन डा.रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता में किया गया था। जिसे एक साल का समय पूरा होने जा रहा है।

●कमेटी जल्द सरकार को सौंपेगी ड्राफ्ट
●27 मई को समाप्त हो रहा है कमेटी का कार्यकाल

यूसीसी कमेटी की कार्य अवधि आगामी 27 अप्रैल यानी 2 दिन बाद समाप्त होने जा रही है। कमेटी को आने वाले एक-दो दिनों में ही अपनी रिपोर्ट या यूं कहें कि यूसीसी का ड्राफ्ट सरकार को सौंपना है। इस जॉब को तैयार करने के लिए कमेटी के द्वारा न सिर्फ तमाम क्षेत्र के विशेषज्ञों की राय ली गई है बल्कि प्रदेश के आम और बुद्धिजीवियों से उनकी राय ली गई है। सही मायने में समान नागरिक संहिता कानून का यह मामला कई तरह की पेचीदगियों भरा है। यही कारण है कि इस कानून का ड्राफ्ट तैयार करने में कमेटी द्वारा तमाम स्तर पर होमवर्क करने के बाद ही इसका फाइनल ड्राफ्ट तैयार किया गया है। कमेटी की बैठक में इसके मसौदे को अंतिम रूप दिये जाने का काम किया गया। जानकारी के अनुसार अब कमेटी द्वारा बहुत जल्द यूसीसी का ड्राफ्ट सरकार को सौंपा जा सकता है जिस पर सरकार द्वारा अपने स्तर पर मंथन किया जाएगा जिसके बाद इसे कैबिनेट में लाया जाएगा। सीएम धामी बीते समय में कई बार कह चुके हैं कि कमेटी जल्द इसका ड्राफ्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगी और राज्य जल्द नया कानून लागू किया जाएगा।

ड्रग्स तस्करी मामले में गुजरात एटीएस लॉरेंस बिश्वनोई से करेगी पूछताछ

अहमदबाद। गुजरात आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) को लॉरेंस बिश्वनोई की हिरासत मिल गई है। ड्रग्स तस्करी मामले में गुजरात एटीएस लॉरेंस से पाकिस्तानी कनेक्शन को लेकर सवाल-जवाब करेगी। बता दें कि लॉरेंस पर पाकिस्तान से 194 करोड़ का ड्रग्स मंगवाने का इल्जाम है। इस मामले में गुजरात एटीएस ने 6 पाकिस्तानी सहित आठ लोगों को अरेस्ट किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली पटियाला हाउस कोर्ट ने लॉरेंस बिश्नोई की ट्रांजिट कस्टडी गुजरात एटीएस को सौंप दी है। एटीएस ने लॉरेंस को पाक के साथ ड्रग्स तस्करी करने के इल्जाम में प्रोडक्शन वारंट पर लिया है, ताकि फरार नाइजीरियाई महिला और पाकिस्तानी ताल्लुक का पता लगाया जा सके। इससे पहले भी लॉरेंस से पाक कनेक्शन को लेकर पूछताछ की जा चुकी है। एनआईए की रिमांड पर लगभग एक महीने तक बिश्नोई से पूछताछ की गई थी। उधर, दिल्ली पुलिस को मेक्सिको में बहुत बड़ी सदालता हाथ लगी है। मोस्ट वांटेड गैंगस्टर दीपक बॉक्सर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने गिरफ्तार कर लिया है। गैंगस्टर दीपक बॉक्सर को लॉरेंस बिश्नोई का करीबी माना जाता है। देश से फरार हुए टॉप गैंगस्टर दीपक बॉक्सर को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने एफबीआई की मदद से मैक्सिको से पकड़ा है।

कार के ट्रेक्टर ट्राली से टकराने पर एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। सडक किनारे खडी ट्रेक्टर ट्राली से कार के टकराने से कार सवार एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज ट्रेक्टर ट्राली के चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार करनाल हरियाणा निवासी गजानंद अग्रवाल अपने परिवार के साथ आल्टो कार से हरिद्वार से ऋषिकेश की तरफ जा रहे थे। जब वह भनियावाला फ्लाईओवर के पास पहुंचे तभी सडक किनारे खडी ट्रेक्टर ट्राली से कार की टक्कर हो गयी जिससे कार में सवार चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये जिनको स्थानीय लोगों ने चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां पर गजानंद अग्रवाल को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के पुत्र ध्रुव अग्रवाल की तहरीर पर ट्रेक्टर ट्राली चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आईपीएल में सट्टा लगाते पांच छात्र गिरफ्तार, 70 बोतल शराब व नगदी बरामद

संवाददाता

देहरादून। आईपीएल में सट्टा लगा रहे बीएससी, एमएससी के पांच छात्रों को पुलिस ने गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हजारों की नगदी व 70 बोतल हरियाणा मार्का शराब बरामद कर ली। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक नगर सरिता डोभाल ने जानकारी देते हुए बताया कि एसएसपी द्वारां आईपीएल मैच के दौरान सट्टा लगाने तथा नशीले एवं मादक पदार्थों की बिक्री एवं तस्करी करने वालो के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है। जिसके लिए एक पुलिस टीम का गठन किया गया है। गठित पुलिस टीम को गत रात्रि में सूचना मिली कि पंडितवाडी क्षेत्र में सद्भावना कुंज के पास एक मकान में कॉलेज के कुछ छात्रों द्वारा आईपीएल मैचो में ऑनलाइन सट्टा लगाया जा रहा है। उक्त सूचना पर क्षेत्राधिकारी डालनवाला के नेतृत्व में कोतवाली कैन्ट तथा एसओजी देहरादून की संयुक्त टीम द्वारा उक्त घर पर दबिश दी गयी तो मौके पर पुलिस टीम को 05 लोगों को गिरफ्तार किया जो आईपीएल मैचो में ऑनलाइन सट्टा लगाते हुये मिले, जिनके पास से ऑनलाइन सट्टे में प्रयुक्त किये जा रहे 07 मोबाइल फोन, 14 एटीएम कार्ड, रजिस्टर, 23,000 रूपये नगद व अन्य समान बरामद किया गया। मकान की तलाशी लेने पर पुलिस टीम को उनके पास से 70 बोतल अवैध अंग्रेजी शराब हरियाणा व चंडीगढ़ मार्का भी बरामद हुयी।

पूछताछ में उन्होंने अपने नाम आदित्य अमन पुत्र राजेश किशोर निवासी ग्राम रतनपुर थाना रतनपुर जिला बेगूसराय, बिहार, यू.आई.टी. प्रेमनगर में एम.बी.ए. प्रथम वर्ष का छात्र, प्रणव कुमार डॉलर पुत्र अमरेंद्र कुमार निवासी बली गांव जिला वैशाली बिहार, जे.बी. आई. टी. सहसपुर में बी.एस.सी का छात्र, आमिर कुमार पुत्र नवीन प्रसाद ग्राम नाव कोठी थाना कोठी जिला बेगूसराय बिहार, जे.बी. आई. टी. सहसपुर में बी0एस0सी0 का छात्र, सत्यम पुत्र कमल सिंह निवासी एमडीडीए डालनवाला मूल वाहिद जिला बेगूसराय बिहार में यू.आई.टी. प्रेमनगर में एम.एस.सी. का छात्र, हर्ष कुमार पुत्र मृत्युंजय निवासी थाना मटिहानी, जिला बेगूसराय बताये।

पूछताछ में आदित्य अमन द्वारा बताया गया कि वे सभी मूलरुप से बेगूसराय बिहार के रहने वाले है तथा देहरादून में रह कर अलग-अलग कॉलेजो से पढाई कर रहे है। अपने महंगे शौको को पूरा करने के लिए वह लोग आईपीएल मैचो में ऑनलाइन सट्टा खिलाते है तथा हरियाणा व चण्डीगढ से सस्ते दामो में शराब लाकर कॉलेज के छात्रो को बेचते है, जिससे उन्हें अच्छा मुनाफा हो जाता है।

जिलाधिकारी ने प्रमुख यात्रा पड़ाव में पानी व कोल्ड ड्रिंक की बोतलों में लगे क्यूआर कोड का निरीक्षण किया

कार्यालय संवाददाता

उत्तरकाशी। जिलाधिकारी अभिषेक रुहेला ने यमुनोत्री धाम सहित जानकीचट्टी एवं प्रमुख यात्रा पड़ाव में पानी और कोल्ड ड्रिंक की प्लास्टिक बोतलों में लगे क्यूआर कोड का स्थलीय निरीक्षण कर जायजा लिया। दुकानदारों, होटल, ढाबा संचालकों को पानी, कोल्ड ड्रिंक के थोक विक्रेताओं से क्यूआर कोड लगी बोतलें क्रय एवं विक्रय करने के निर्देश दिए। बिना क्यूआर कोड लगी पानी एवं कोल्ड ड्रिंक की प्लास्टिक बोतलों को कतई भी क्रय-विक्रय करने के सख्त निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि कोई भी व्यापारिक प्रतिष्ठान बिना क्यूआर कोड लगी पानी और कोल्डड्रिंक की प्लास्टिक बोतलों को बेचते हुए पाया गया तो उनसे अर्थदंड वसूली के साथ ही चालानी कार्यवाही करना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने जिले के दोनों धाम आ रहें देश- विदेश के श्रद्धालुओं से प्लास्टिक मुक्त अभियान को लेकर अपेक्षित सहयोग की अपील की है। उन्होंने कहा कि पानी एवं कोल्ड ड्रिंक की क्यूआर कोड लगी बोतलों के क्रय करने पर रिफंड की व्यवस्था की गई है।

दो पक्षों में हुए विवाद में चली गोलियां, तीन घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गांव में मामूली बात पर दो पक्षों के बीच झड़प हो जाने के बाद दोनो पक्षों के बीच जमकर गोलियां दागी गयी। जिसमें तीन लोग घायल होने की बात सामने आयी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों को अस्पताल पहुंचाया और मामले की जांच शुरू कर दी।

दो पक्षों के बीच गोली चलने की यह घटना मंगलौर कोतवाली क्षेत्र के थितकी गांव की है। बताया जा रहा है कि गांव के दो पक्षों के लोग अपने-अपने खेतों में पानी देने के लिए गए थे। एक पक्ष खेतों में निकलने वाले नाले से सिंचाई विभाग की ओर से आने वाला पानी अपने खेतों में पहुंचा रहा था तो दूसरा पक्ष उस नाले से निजी ट्यूबबैल का पानी अपने खेतों में ले जाने की बात करने लगा। इस बात को लेकर दोनों पक्षों में नोकझोंक होने लगी। देखते ही देखते बात मारपीट तक जा पहुंची तो दोनों ओर से काफी संख्या में लोग खेतों में हथियार लेकर इकट्ठा हो गए। जिस कारण दोनो ओर से ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू हो गई। आसपास खेतों में काम करने वाले किसान भी घटनास्थल की ओर दौड़ पड़े। वहीं बताया गया है कि दोनो ओर से धारदार हथियार से भी एक दूसरे पर हमला किया गया है। इस झगड़े में तीन लोगों के घायल होने की खबर है। वहीं मामले की जानकारी पुलिस को मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंच कर घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। घायलों के नाम रमन पुत्र बिजेंद्र, प्रयकु पुत्र रंधावा व धर्मपाल पुत्र सहदेव बताए गए हैं। बहरहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

मोटरसाईकिल की टक्कर से एक की मौत

संवाददाता

देहरादून। बुलेट मोटरसाईकिल की चपेट में आकर एक की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार छिद्दरवाला निवासी जसवीर खैरी खुर्द के पास सडक पार कर रहा था तभी बुलेट मोटरसाईकिल सवार ने तेजी व लापरवाही से मोटरसाईकिल चलाते हुए उसको टक्कर मार दी। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसको चिकित्सालय में भर्ती कराया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।